अंक-1, सत्र-2 (2021-22)

प्रवाह

हिंदी प्रेस क्लब

संपादकीय	2
साक्षात्कार- पिचिंग हैड	3
साक्षात्कार- पी.यू. सह-प्रबंधक	5
साक्षात्कार- पी.यू. कॉर्ड	5
साक्षात्कार- इंटर्नशिप समन्वयक	6
IT इंटर्नशिप	7
ET इंटर्नशिप	10
मैकेनिकल कोर	11
सिविल कोर	12
केमिकल कोर	13
SCM	14
MS	15

संपादकीय

नमस्कार!

यदि आप यह पत्रिका पावर कट के मध्य, पसीने से लथपथ होते हुए NAB अथवा अपने छात्रावास के कॉरिडोर में पढ़ रहे हैं तो मेरा अभिनंदन और सांत्वना स्वीकार करें। कैंपस में वर्तमान समय में बहुत सी घटनाएं घटित हो रही है, चाहे वह प्रशासन के खिलाफ छात्र समुदाय का आंदोलन हो या कुछ दिन पहले संपन्न हुई अपोजी समीक्षा बैठक, चाहे वह कॉम्प्री की तैयारी हो या सेंटी सेमेस्टर के छात्रों का अपने दोस्तों व बिट्स से बिछड़ने की पीड़ा हो। मेरा विश्वास करें बिट्स से बिछुड़ने का आपका गम एक दिन सुखद याद में तब्दील हो ही जाएगा, आंदोलन या तो सफल होगा या हर बार की तरह किसी 'विशेष उपलब्धि के उपरांत समाप्त हो ही जाएगा, डी.वी.एम-छात्रसंघ के स्थान पर कोई और चर्चा का विषय आपको मिल ही जाएगा; किंतू यदि कुछ नहीं रुकेगा तो वह है शर्मा जी के लड़के से आपकी तुलना अथवा शादी की चर्चा। तुलना और चर्चा के मध्य मूल विषय करियर या नौकरी ही होगी। आप सभी बिट्स में अलग-अलग महत्वाकांक्षाओं के साथ आए होंगे। कुछ की आकांक्षा होगी एक अच्छी कंपनी में नौकरी पाना, कुछ की महत्वाकांक्षा होगी अपना स्टार्टअप खोलना, कुछ की होगी सिविल सेवाओं की तैयारी करना तो कुछ की उच्च शिक्षा के लिए बेहतरीन विश्वविद्यालय में दाखिला हासिल करना। बिट्स पिलानी इन सपनों को हासिल करने में आपको एक बेहतरीन मंच प्रदान करता है। शायद यही वजह है कि आसमान छूती फ़ीस और पाताल छूती बिट्सेट कट-ऑफ के बावजूद यह विश्वविद्यालय 'Institute of Eminence" का दर्जा प्राप्त करे हुए हैं। कदाचित इस दर्जे का कारण यहां से पढ़े हुए एलमनाई और राजनीति में सक्रिय यहां के पूर्व छात्र हैं। यह कॉलेज आप को साफ एवं स्वच्छ राजनीति जो किसी भी पार्टी पॉलिटिक्स से दूषित ना हो, का माहौल प्रदान करता है। यदि आप किसी छोटे,लोकल कॉलेज में छात्र राजनीति में कदम रखने का स्वप्न देखते, तो स्वप्न पूरा होने से पूर्व ही कोई सीनियर आपको धमकी या भविष्य में किसी पद का वादा करके आपको अपना नामांकन वापस लेने के लिए मजबूर कर ही देता। ऐसे कॉलेजों में निस्संदेह एक स्वतंत्र चुनाव आयोग का स्थान होता है परंतु वह चुनाव आयोग इन सब गतिविधियों को देख कर भी, किसी बिना रीढ़ की हड्डी के व्यक्ति की तरह, सत्ता के समक्ष नतमस्तक मौन खड़ा रहता है। बिट्स में इसके उलट आपको एक शानदार,स्वतंत्र व ज़िम्मेदार चुनाव आयोग देखने को मिलेगा।

एक इंजीनियरिंग संस्थान में प्लेसमेंट की कितनी अहमियत होती है इसका अंदाजा आप बिट्स में प्लेसमेंट से जुड़ी अनेक कहानियां जो छात्र समुदाय के बीच अपना घर बना चुकी उसी से लगा सकते हैं। क्या आप अब तक बिड़ला म्यूजियम का दीदार कर चुके? यदि नहीं तो इसमे आपका भी कोई दोष नहीं। किंतु यदि जा चुके हैं मेरी सांत्वना आपके साथ हैं। मिथकों से ऊपर उठकर यदि कोई एक तथ्य है जिस पर हम सब एक मत है तो शायद वह यही है कि कंप्यूटर साइंस एवं IT से संबंधित सेक्टर में नौकरी लगने की गुंजाइश किसी भी कोर सेक्टर के मुकाबले अधिक ही है। केमिकल को यदि कोर से बाहर रखा जाए तो अनुचित ना होगा, आखिरकार फाइनेंस सेक्टर की चमक इन्ही की वजह से ही तो है। EEE ब्रांच में आपका कोई दोस्त कितने ही 'रोने' करें किंतु जब बात प्लेसमेंट की आएगी तब यही मित्र हंसते-हंसते अमेज़ॉन जैसी कंपनियों में इंटर्नशिप व नौकरी हासिल करके ले जाते हैं। विभिन्न सेक्टर के बीच यह असमानता दूर करने के लिए शायद हम सब को एक 'मी-टू' आंदोलन करना ही होगा।

हिंदी प्रेस क्लब के सक्रिय सदस्य के रूप में यह अंतिम बार है कि मुझे आपको इस पत्रिका की यात्रा पर ले जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। प्रवाह के इस विशेष संस्करण में आपके प्लेसमेंट,इंटर्नशिप एवं उच्च शिक्षा संबंधित प्रश्नों को हल करने का प्रयास किया गया है। अंदर आप पाएंगे प्लेसमेंट यूनिट के प्रबंधक विपुल सिंघल, पी.यू समन्वयक सांची जैन,पिचिंग समन्वयक रुधिर मेहरा, इंटर्नशिप समन्वयक सिद्धांत सिंगल के साक्षात्कार, इसके साथ की आप विभिन्न सेक्टरों में अच्छा प्रदर्शन कर चुके छात्रों के मुख से अपने संशयों का जवाब भी पाएंगे। इसी उम्मीद के साथ कि 16 पन्नों की यह पत्रिका आपके लिए सकारात्मक भूमिका निभाए, मैं अब आप से विदा लेता हूं और आपको कंप्रिहेंसिव परीक्षा एवं शानदार भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

धन्यवाद!

पिचिंग हेड - रुधिर मेहरा

प्रश्न: 2022 **प्लेसमेंट सीज़न के लिए पिचिंग हेड के रूप में आपकी क्या भूमिकाएं और जिम्मेदारियां थीं?**
उत्तर: इसकी शुरुआत इस खोज से होती है कि हम प्लेसमेंट के लिए किस तरह की कंपनियां चाहते हैं। एक बार शोध हो जाने के बाद, वास्तविक पिचिंग आती है जिसमें यह शामिल होता है कि हम कंपनियों तक कैसे पहुंच रहे हैं। यह सुनिश्चित करना होता है कि प्रशिक्षण प्रमुख और मेरी अच्छी बॉन्डिंग है क्योंकि अगर बाजार में एक निश्चित मांग है तो मैं चाहता हूं कि छात्र उन भूमिकाओं के लिए तैयारी करें। यदि कंपनियां किसी सेमेस्टर के लिए अधिक प्रोडक्ट मैनेजमेंट रोल्स सामने रखती हैं तो मैं चाहता हूं कि छात्र कंसल्टिंग केस की तुलना में प्रोडक्ट केसेस के लिए अधिक तैयारी करें। मेरी मुख्य जिम्मेदारियों में कंपनी के बारे में शोध करना, सही POC तक पहुंचना और उन्हें परिवर्तित करने में सक्षम होना शामिल है। इसके बाद के हिस्से में उन्हें सही स्लॉट देना और कैंपस पर उनकी मेजबानी करना लॉजिस्टिक प्रमुखों द्वारा सुनिश्चित किया जाता है, लेकिन यह सुनिश्चित करने में हमारी भूमिका होती है कि उन्हें पहले से बताया गया स्लॉट मिल जाए। किसी कंपनी के बारे में शोध में पिछला ट्रैक रिकॉर्ड शामिल होता है, यदि रिकॉर्ड इतना अच्छा नहीं है तो आप विभिन्न विकल्पों की तलाश करना चाहेंगे। मेरे लिए यह "Outside Factor " IIT में हो रही हायरिंग थी। मुझे हमेशा आश्चर्य होता है कि समान प्रतिभाशाली छात्रों और लगभग एक समय में स्थापित होने के बावजूद कई अच्छे IIT की तुलना में बिट्स प्लेसमेंट में उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं करता है। यदि कंपनियां प्रोडक्ट से जुड़ी भूमिकाओं में अधिक व्यक्तियों की मांग करतीं हैं तो उन्हें प्लेसमेंट में परिवर्तित करना अधिक संभव होगा। हमारे पास कंपनी के क्षेत्र के आधार पर पहले से तैयार पिच डेक थे। उदाहरण के लिए यदि हम किसी प्रोडक्ट से जुड़ी कंपनी को पिच करने की कोशिश कर रहे हैं तो पिच SU के पास अपना खुद का एप्लीकेशन होना और यह बात भी कि हम ओएसिस और अपोजी के आयोजन में करोड़ों के बजट का प्रबंधन करते हैं, इसके तर्ज पर होगा। हमने उन कंपनियों में बिट्स के एलुमनाई की तलाश करने की कोशिश की, जिसमें हम पिच कर रहे थे। हम एलुमनाई डेटाबेस की तलाश के लिए ARC (एलुमनाई रिलेशंस सेल) तक पहुंचे और हम कई कंपनियों की मांग को बदलने में सक्षम थे क्योंकि बिट्स के एलुमनाई वहां अच्छे पद पर थे। स्टार्टअप्स को व्यक्तिगत रूप से मेल करने की जगह हमने वेंचर कैपिटल को मेल करना उचित समझा ताकि हमारी पिच स्टार्टअप्स के बीच समान रूप से फैल जाए। ये कुछ बदलाव हैं जो हमने इस बार कंपनियों तक पहुंचने के तरीके में लाए हैं।

प्रश्न: 2020 **और** 2021 **की तुलना में इस साल का प्लेसमेंट सीजन कैसे अलग था?**
उत्तर: 2021 और 2022 के लिए प्लेसमेंट ऑनलाइन आयोजित किए गए थे। जबकि 2016 बैच के लिए प्लेसमेंट सीजन 2020 ऑफलाइन आयोजित किया गया था। ऑनलाइन प्लेसमेंट से संबंधित कुछ बिंदु हैं जिसके कारण हम आने वाले सीज़न में भी ऑनलाइन माध्यम का पक्ष लेने का प्रयास करेंगे। जब किसी कंपनी को पिच करने की बात आती है तो ऑनलाइन मोड में बहुत सारे लॉजिस्टिक्स से जुड़े मुद्दों से बचा जाता है जैसे कि कैंपस पर उनकी मेजबानी करना और वे कैसे यात्रा कर रहे हैं, इसके बारे में चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। तार्किक रूप से भी बहुत सी चीजें आसान हो जाती हैं। इसके पीछे यह मनोवैज्ञानिक कारण भी हो सकता है कि ज्यादातर कंपनियां बड़े शहरों की यात्रा करना चाहती हैं जहां वे विभिन्न कॉलेजों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव को मर्ज कर सकती हैं। छात्रों के लिए भी अपने शॉर्ट्स के आराम में बैठकर ऑनलाइन इंटरव्यू में हिस्सा लेना आसान होता है।

प्रश्न: अतीत में प्लेसमेंट को छोड़ने वाले बिट्स के छात्रों ने समस्त प्लेसमेंट्स की प्रक्रिया को कैसे प्रभावित किया? और आपने उन कंपनियों को कैसे राजी किया जिन्हें इस तथ्य पर संदेह हो सकता है?
उत्तर: सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि बिट्स के छात्र प्लेसमेंट से बाहर क्यों हो रहे थे। इसका एक प्राथमिक कारण यह था कि बहुत से छात्र अपने MS प्रवेश या IAS/CAT आदि परीक्षाओं के लिए जाना चाहते थे। इन परीक्षाओं और MS प्रवेश के परिणाम मार्च के आसपास आते हैं, जबकि प्लेसमेंट जनवरी के अंत तक समाप्त हो जाते थे। छात्र प्लेसमेंट को अपने फॉलबैक विकल्प के रूप में रखना चाहते थे। अधिकांश छात्रों के पास उनकी प्रतिभा का एक ईमानदार मूल्यांकन होता है। बिट्स के छात्र खुद को IIT में अपने प्रतिरूपों के बराबर देखते हैं। इसलिए जब उन्हें कई कारणों से उनकी क्षमता के अनुसार प्लेसमेंट का प्रस्ताव नहीं मिला, तो वे अन्य अवसरों के लिए जाना चाहते थे। इसके साथ ही ऑनलाइन प्लेसमेंट ने उन बिट्सियंस को प्लेसमेंट में बैठने का मौका भी दिया, जो अपने PS2 पर थे जो पहले संभव नहीं हो सकता था। और यह पहले के प्लेसमेंट के दौरान ड्रॉपआउट का एक और कारण हो सकता है। सभी की जरूरतों को समायोजित करने के लिए इस बार हमने प्लेसमेंट सीज़न की टाइमलाइन को थोड़ा जल्दी शिफ्ट करने का प्रयास किया। पहले प्लेसमेंट जनवरी में शुरू हुआ करते थे लेकिन इस बार हमने इसे दिसंबर में शुरू किया। इससे हमें यह फायदा हुआ कि बहुत सारी कंपनियाँ जो IIT में जाती थीं वे बिट्स में भी बहुत अच्छे ऑफर्स लेकर आई थीं जो प्रैक्टिस स्कूल के कारण संभव नहीं हो पाता था। इन अच्छी कंपनियों के आने से बहुत से छात्रों को ऑफ-कैंपस अवसरों की तलाश नहीं करनी पड़ी और इसलिए प्लेसमेंट छोड़ने वालों की संख्या में भी कमी आई। हमने छात्रों द्वारा प्लेसमेंट परेफरेंस फॉर्म को कई बार भरवाने का भी प्रयास किया यह सुनिश्चित करने के लिए कि यदि वे अपनी पिछली पसंद में अपनी रुचि नहीं पाते हैं, तो भी उनके पास इसे सुधारने का मौका है।

प्रश्न: बिट्स और IIT **के लिए भिन्न** CGPA **कटऑफ लागू करने वाली कंपनियों को आपने कैसे पिच किया? क्या आपको लगता है कि यह हमारे कॉलेज में प्लेसमेंट को प्रभावित करता है?**
उत्तर: कंपनियां बिट्स और IIT के छात्रों के लिए भिन्न CTC प्रस्तावित करती हैं क्योंकि उनकी सामान्य मानसिकता ऐसी है कि एक औसत बिटियन एक औसत IITian के स्तर पर नहीं हो सकता है। इसलिए जब हम ऐसी कंपनियों को पिच करते हैं तो हम विभिन्न कार्यक्षेत्रों में बिट्स के छात्रों के ट्रैक रिकॉर्ड पर उनका ध्यान केंद्रित करते हैं। CGPA किसी छात्र की क्षमता का पूर्ण संकेतक नहीं हो सकता। पहले कंपनियां कई कॉलेजों में सीमित पदों पर भर्ती कर रही थीं और इसके कारण CGPA कटऑफ बढ़ गई। प्रोडक्ट मैनेजमेंट, कंसल्टिंग और अन्य नए डोमेन के उदय के साथ छात्रों को नए अवसर मिल रहे हैं और इसकी वजह से कंपनियों को सख्त CGPA कटऑफ लगाने से बचने की कोशिश करने की जरूरत है। हमने इस बात पर बल दिया कि हम उन कंपनियों को बेहतर स्लॉट देने का प्रयास करेंगे जो छात्रों के लिए कोई CGPA कटऑफ नहीं रखेंगे या उसे कम करेंगे और यह कुछ ऐसा था जिसने कई कंपनियों को राज़ी कर दिया। हमने लोगों को उनकी PS2 के बाद की CGPA के बारे में भी आस्वस्थ करवा दिया था।

प्रश्न: जब CGPA कटऑफ की बात आती है तो कंपनियां बिट्स और VIT जैसे कॉलेजों को एक श्रेणी में क्यों रखती हैं?
उत्तर: यह वाकई एक दिलचस्प सवाल है। यह वास्तव में उन मानकों पर निर्भर करता है जिसे कोई कंपनी एक कॉलेज का आकलन करने के लिए बेंचमार्क के रूप में उपयोग कर रही है। मुझे लगता है कि एक ऐसा क्षेत्र जहां बिट्स को नुकसान होता है वह है हमारी NIRF रैंकिंग। यदि आप NIRF रैंकिंग के विभाजनों को ध्यान से देखेंगे तो प्लेसमेंट के मामले में बिट्स अभी भी काफी अच्छा है। इसके पीछे मुख्य कारण यह हो सकता है कि यह रैंकिंग किसी संस्थान में किए जा रहे शोध तथा उनके पास किस प्रकार की सुविधाएं हैं और अन्य ऐसे ही पहलुओं की एक विस्तृत श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित करती है। तो निश्चित है कि किसी कॉलेज में प्लेसमेंट का आकलन करने के लिए शोध को रूब्रिक के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है और यही वह जगह है जहां VIT अपनी उच्च रैंक के लिए पैरवी कर सकता है। इसके साथ ही हमने इस बार बिट्स के एलुमनाई को प्लेसमेंट की प्रक्रिया से जोड़ने का प्रयास किया। हो सकता है कि VIT यह कार्य हमसे बेहतर तरीके से करता हो या वहां के पूर्व छात्रों को लगता होगा कि कभी भी उनका मूल्यांकन उनकी वास्तविक काबिलीयत के अनुसार नहीं किया गया है तो इसलिए वह अपने कॉलेज के प्लेसमेंट की प्रक्रिया से जुड़कर उसमे अपना योगदान देना चाहते हों।

प्रश्न: निजी इंटर्नशिप के माध्यम से PPO प्राप्त करने वाले छात्रों को PS2 और SI के माध्यम से PPO प्राप्त करने वालों की तुलना में प्लेसमेंट में अधिक विकल्प होने के मामले में लाभ होता है। जब हमारे कॉलेज में प्लेसमेंट की बात आती है तो क्या आप इसे एक खामी के रूप में देखते हैं?
उत्तर: एक छात्र के PPO और न्यूनतम CTC (जो एक कंपनी उन्हें प्लेसमेंट के लिए प्रस्तावित करती है) के बीच मानदंड लगाने के पीछे मुख्य कारण यह था कि हम अपनी प्लेसमेंट यूनिट और प्रैक्टिस स्कूल डिवीजन के बीच आंतरिक संघर्ष नहीं देखना चाहते हैं। कोई भी प्राइवेट इंटर्नशिप बिट्स से जुड़ा हुआ नहीं होता है इसलिए हम उन छात्रों पर कोई प्रतिबन्ध नहीं लगा सकते हैं जिन्हे इनके माध्यम से PPO प्राप्त हुआ है। हम सिर्फ यह प्रयास कर सकते हैं कि छात्र इस बारे में समझे और फिर वह विकल्प चुने जो सबके लिए बेहतर है। यदि वह निजी कंपनी प्लेसमेंट यूनिट को मेल करके इसकी जानकारी देती है तब हम उस छात्र के प्लेसमेंट में बैठने पर ये मानदंड लगा सकते हैं।

प्रश्न: आपके लिए इस वर्ष के प्लेसमेंट की मुख्य विशेषताएं क्या थीं?
उत्तर: प्लेसमेंट की पूरी प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों की मानसिकता में हुए बदलाव मेरे लिए सबसे प्रमुख बात थी। अधिक स्टार्टअप्स तथा VCs (वेंचर कैपिटल) का आमद भी एक और अच्छी बात थी। इसके साथ ही अधिक प्रोडक्ट पर आधारित कंपनियों का प्लेसमेंट में आना एक अच्छा संकेत है खासकर यह देखते हुए कि प्रोडक्ट मैनेजमेंट के क्षेत्र में सामान्य रूप से प्रवेश करना उतना भी सरल नहीं है। इसके साथ ही छात्रों के लिए ऑफशोर ऑफर की संख्या में उछाल के साथ-साथ औसत CTC भी बढ़ी। महामारी के बाद के दौर में मार्केट हायरिंग काफी मजबूत थी। लोगों ने जिस तरह से प्लेसमेंट यूनिट टीम के साथ बातचीत की उसमें एक बड़ा बदलाव देखने को मिला। आमतौर पर लोग PU टीम के सदस्यों से खुलकर बात नहीं कर पाते थे लेकिन इस बार मेरे लिए भी यह देखना बहुत अच्छा अनुभव था कि सभी के बीच आपसी विश्वास था। इस बार फार्मेसी के छात्र भी अधिकांश कंपनियों में प्लेसमेंट के लिए बैठ सकते थे जो एक बड़ा सकारात्मक बदलाव था क्योंकि यह बिट्स में पढ़ने वाले सभी ब्रांच के छात्रों को अनेक नए अवसर प्रदान करता है।

प्रश्न: विभिन्न डोमेन में प्लेसमेंट के लिए आने वाली कंपनियों का वितरण क्या था?
उत्तर: इस साल प्लेसमेंट के लिए कुल 922 छात्र बैठे थे, जिनमें से 850 को प्लेसमेंट ऑफर मिला था। अभी तक कुछ छात्रों ने ऑफ कैंपस प्लेसमेंट के कारण डी-रजिस्टर नहीं किया है।

ब्रांच के अनुसार विवरण कुछ इस प्रकार है:

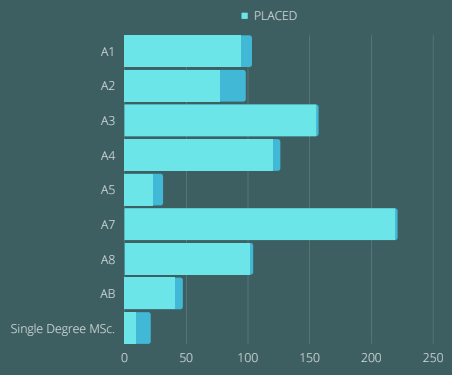

सेक्टर के अनुसार विवरण (ऑफर की संख्या):

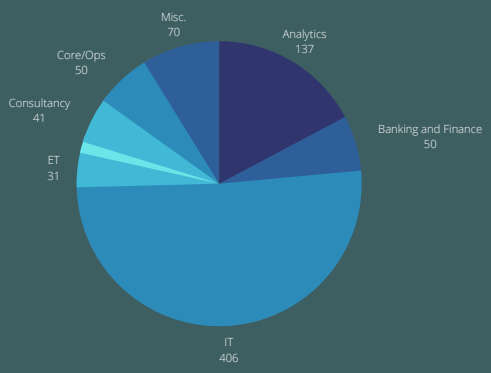

सेक्टर के अनुसार औसत CTC:

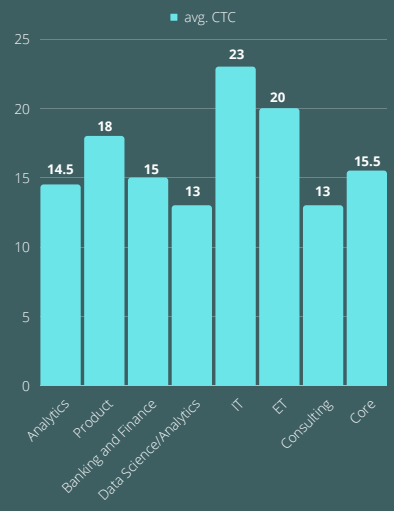

P.U. सह प्रबंधक -विपुल सिंघल

प्लेसमेंट यूनिट बिट्स पिलानी, प्लेसमेंट्स की उत्त्मत्ता को बरकरार रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है। P.U. के सह प्रबंधक श्री विपुल सिंघल जी ने हिंदी प्रेस क्लब से वार्ता में अपने विचार साझा किये।

प्रश्न: इस सेमेस्टर का प्लेसमेंट सीजन कैसा रहा? पिछले वर्ष की तुलना में क्या बदलाव थे?
उत्तर: इस सेमेस्टर का सीजन काफ़ी अच्छा रहा। गत वर्ष अर्थात 2021 सभी के लिए एक नया अनुभव था क्योंकि पहली बार ऑनलाइन प्लेसमेंट हो रहे थे। गत वर्ष के अनुभव की वजह से सारा प्रबंधन सुचारू रूप से हुआ। अधिक मज़बूत सॉफ्टवेर का प्रयोग हुआ जिससे कि ऑनलाइन प्रक्रिया में बाधा कम से कम आये। चीटिंग ना हो, इसका पूर्ण ध्यान रखा गया। इसके अतिरिक्त 2021 बैच में कोविड के कारण कई कम्पनियां बंद हो गयीं थीं इस वजह से हाइरिंग कम रही थी। इस बार ऐसा कुछ नहीं था।

प्रश्न : सम्पूर्ण प्लेसमेंट सीजन अर्थात सीजन के पहले उसके दौरान एवं बाद में P.U. की क्या कार्य प्रक्रिया रहती है?
उत्तर: सीजन के पहले तो हमें कंपनियों तक पहुँच बढ़ानी होती है। कुछ नयी कंपनियां जैसे ग्रो (GROWW), AU बैंक, कोटक महिंद्रा यह भी इस वर्ष आयीं।
सीजन के दौरान हम इस बात का ध्यान रखते हैं कि सारी प्रक्रिया सुलभ ढंग से हो , किसी भी दिक्कत का शीघ्रता से निदान हो और सभी विद्यार्थियों को मौका मिले। फ़िर प्लेसमेंट के बाद कंपनी को छात्र के कागज़ात पहुँचाना, बच्चों की ओनबोर्डिंग किट और उनका ऑफर लैटर उन तक पहुँचाना एवं उनकी समयानुसार जोइनिंग हो जाये इस बात का ध्यान रखना।

प्रश्न: आपने ऑफलाइन तथा ऑनलाइन दोनों ही सीजन देखे हैं। दोनों में से आपको क्या अधिक लाभदायक लगता है?
उत्तर: दोनों ही माध्यमों को अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। ऑनलाइन में अवसर अधिक मिलते हैं। यदि कोई कंपनी पिलानी जैसे दूरगामी क्षेत्र में नहीं पहुँच सकती तो वह ऑनलाइन के ज़रिये रिक्रूटमेंट कर सकती है। परन्तु इस प्रक्रिया में कंपनी और छात्र के बीच का व्यक्तिगत जुडाव लुप्त हो जाता है, जबकी ऑफलाइन में वह जुडाव सम्भव हो पाता है।

प्रश्न: आज कल विद्यार्थी कोर क्षेत्र छोड़ IT क्षेत्र को अधिक बढ़ावा देते हैं। आपके अनुसार इसका क्या कारण हो सकता है?
उत्तर: विद्यार्थियों का कोर क्षेत्र की ओर रुझान कम होने के कई कारण हैं। सबसे पहले तो इस क्षेत्र में कंपनियां कम होती हैं। कार्यक्षेत्र के वातावरण का भी काफ़ी प्रभाव रहता है। कोर में व्यक्ति को फील्ड का काम अधिक रहता है, जबकि IT सेक्टर में ज़्यादातर कार्य कंप्यूटर पर बैठे-बैठे करना होता है। इसके अतिरिक्त एक और महत्वपूर्ण कारण यह है कि कोर कंपनियों का पैकेज कम रहता है।

प्रश्न: किसी छात्र द्वारा करी गयी इंटर्नशिप,उसके ग्रेड्स ,प्रोजेक्ट्स इत्यादि का प्लेसमेंट पर क्या प्रभाव पड़ता है?
उत्तर: यदि कोई छात्र इंटर्नशिप करता है तो उसका लाभ उसे साक्षात्कार के दौरान होता ही है। तब प्रश्नों का झुकाव आपके इंटर्नशिप के अनुभवों की ओर हो जाता है। ग्रेड्स और प्रोजेक्ट्स का भी महत्त्व है। अधिकतर कंपनियां न्यूनतम CGPA का माप लगा देती हैं तो यदि विद्यार्थी के उस माप के अनुरूप अंक नहीं होंगे तो वह प्लेसमेंट के लिए बैठ ही नहीं पायेगा। जिस छात्र की CG अधिक होती है उससे कंपनी को अपेक्षाएं भी अधिक होती हैं। हालांकी, CGPA और विद्यार्थी की कार्य कुशलता का सीधे तौर पर कोई मेल नहीं है लेकिन दोनों का अपना-अपना महत्व है।

प्रश्न: आपके अनुसार बिट्स पाठ्यक्रम में क्या कुछ बदलाव की आवश्यकता है जिससे कि वह विद्यार्थियों के लिए अधिक लाभकारी हो?
उत्तर: बिट्स पिलानी पाठ्यक्रम पहले से ही काफी लचीला है और इसमें जब जैसी भी आवश्यकता महसूस होती है उसके अनुरूप बदलाव स्वतः ही कर दिये जाते हैं। इसके फलस्वरूप यह विद्यार्थियों के लिए सदैव ही हितकारी रहता है। इसके अतिरिक्त छात्र अपने सीनिअर से बात करते रहते हैं तो उन्हें पता होता की उन्हें जिस क्षेत्र में जाना है उसके हेतु क्या आवश्यक है।

प्रश्न: PU द्वारा लिए गये कुछ खास कदमों के बारे में बतायें जिनसे छात्रों को लाभ हुआ।
उत्तर: PU ने बच्चों की सहायता के लिए कई कदम उठाए हैं। उदाहरण के लिए कमिटी बनायीं हैं जैसे फाईनेंस कमिटी, कंसल्टिंग कमिटी इत्यादी। छात्रों के लिए दो बार ओरिएंटेशन सेशन रखे गये थे। छात्रों की दुविधाओं को हल करने की पूर्ण कोशिश रहती है।

प्रश्न: आपका विद्यार्थियों के लिए कोई सन्देश या सलाह?
उत्तर: मेरा सन्देश यही है कि परिश्रम करिये। इतनी सरलता से कामयाबी नहीं मिलती है। सफलता के लिए कोई छोटा मार्ग मत लीजिए। CGPA को बहतर रखने का भरपूर प्रयास करें क्योंकि आप भले ही कितने ही कुशल क्यों न हों, यदि आप प्लेसमेंट में बैठ ही नहीं पाएंगे तो कोई लाभ नहीं है। अपने CV में जो लिखें उसे वास्तविकता में करें सिर्फ लिख कर ही न छोड़ दें। इसके अतिरिक्त और कोई समस्या हो तो हमारे पास आयें।

PU कॉर्ड - साची जैन

प्लेसमेंट की प्रक्रिया और उसके संबंधित कार्यों को समझने के लिए हिंदी प्रेस क्लब ने प्लेसमेंट समन्वयक साची जैन से बातचीत की। साक्षात्कार के मुख्य अंश कुछ इस प्रकार हैं:-

प्रश्न: प्लेसमेंट प्रक्रिया में आपकी भूमिका समन्वयक के रूप में क्या थी ?
उत्तर: समन्वयक के रूप में,मेरी भूमिका कंपनी और छात्रों के बीच सुचारू संचार को स्थापित करना था। यह निश्चित करना था की प्लेसमेंट प्रक्रिया क्रम्वध हो जिससे स्टुडेंट्स को प्लेसमेंट प्रोसेस में कोई दिक्कत का सामना ना करना पड़े। इसके अलावा कंपनी को पिच करना और स्टुडेंट्स को प्लेसमेंट के लिए तैयार करना भी हमारी जिम्मेदारी थी। हमारा लक्ष्य था कि हर स्टूडेंट को आईटी और नॉन कोर क्षेत्र में संतोषजनक सी.टी.सी का जॉब मिले।

प्रश्न: इस बार का प्लेसमेंट सीजन कैसा था?प्लेसमेंट सीजन की तैयारी कब से प्रारंभ हुई?
उत्तर :इस बार प्लेसमेंट सीजन सी.टी.सी और जॉब ऑफर्स के सन्दर्भ में काफी अच्छा था।प्लेसमेंट की तैयारी हमने सितम्बर से प्रारंभ की थी।हमारा ध्यान इस बात पर था की प्लेसमेंट में कितने स्टूडेंट भाग ले रहे हैं और हमें कितने कंपनियों को पिच करना है।अक्टूबर में हमने पिचिंग की प्रक्रिया को प्रारंभ कर दिया और यह प्रक्रिया नवम्बर तक चली। क्रिसमस की छुट्टियों में प्लेसमेंट शुरू हुई। इसमें मुख्यता अंतरराष्ट्रीय कंपनी थी। पहला फेस प्लेसमेंट का 4 दिनों तक चला जो अक्सर 3 दिनों का होता है। प्लेसमेंट अभी भी जारी है लेकिन अधिकांश प्लेसमेंट फरवरी में हुए थे।

प्रश्न: प्लेसमेंट के दौरान कंपनी उम्मीदवार में कौन से प्रमुख कौशल को देख रही थी ?
उत्तर: यह प्लेसमेंट सीजन आईटी क्षेत्र पर केंद्रित था। इसलिए स्टूडेंट को कोडिंग की समझ मजबूत होनी चाहिए। आईटी प्लेसमेंट की तैयारी आसान नहीं होती है और कैम्पस पर ऑफर किये गए विषयों से तैयारी पूरी तरह से संभव नहीं हैं। स्टूडेंट को दूसरे या तीसरे वर्ष में निर्णय करना होगा कि उनकी रूचि कोर में है या आईटी क्षेत्र में है।इसके लिए वे प्लेसमेंट यूनिट और सिनियर की मदद ले सकते हैं।

प्रश्न: ऐसी कौन सी नई कंपनियां या सेक्टर थे जो इस साल प्लेसमेंट में स्टूडेंट्स को ऑफर हुए?
उत्तर: इस बार के प्लेसमेंट में कई नयी कंपनियों ने जॉब ऑफर किये। Schlumburger ने इस बार कोर जॉब ऑफर की।यह अपने आप में काफी बड़ी उपलब्धि है क्यूंकि यह हमें अंतरराष्ट्रीय पहचान देता है।इसके अलावा MISHO और SPRINKLR जैसे स्टार्टअप ने स्टूडेंट कोई कई नॉन कोर एंड आईटी जोब्स ऑफर किया।OLA ने 45 स्टूडेंट को प्लेसमेंट ऑफर किया।

प्रश्न: प्लेसमेंट के दौरान स्टूडेट्स को क्या समस्या का सामना करना पड़ा? प्लेसमेंट यूनिट ने उन समस्यों को कैसे संभाला?
उत्तर: इंटर्नशिप के दौरान ही प्लेसमेंट यूनिट के साथ इंटरैक्शन हो पाती है जिसके कारण स्टूडेंट्स के पास काम अनुभव होता है।Resume building से लेकर प्लेसमेंट mocks की तैयारी में प्लेसमेंट यूनिट ने हर एक कदम पर स्टूडेंट का साथ दिया।हमने Whatsapp Groups बनाये जिसमे हमलोगों ने लागातार हो रहे प्लेसमेंट की जानकारी दी।हमारे पास 11 team थी जिसमे 100 से अधिक सदस्य थे। उन्होंने लगातार स्टुडेंट्स के परेशानियों को सुलझाया।इसके अलावा प्लेसमेंट के लिए Training session का आयोजन करवाया गया। स्टुडेंट्स को उनके क्षेत्र के अनुसार Mock interviews की तैयारी करवाई गयी।Resume Building के लिए बिट्स के alumni की सलाह ली गयी और कई सारे इंटरैक्शन ने भी स्टुडेंट्स को प्लेसमेंट में मदद की।इससे उन्हें प्लेसमेंट में पूछे जाने वाले सवालों के बारे में जानने का मौका मिला।इसके अलावा jobsee ने भी स्टुडेंट्स को आईटी प्लेसमेंट का प्रशिक्षण दिया। हर हफ्ते quiz का आयोजन होता था जिसमे उपस्थिति जरुरी होती थी। BITSAA के साथ से स्टुडेंट्स को प्लेसमेंट में RESUME BUILDING में काफी सहायता मिली।

प्रश्न: ऑनलाइन प्लेसमेंट के दौरान किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा?
उत्तर: हाँ,ऑफ़लाइन प्लेसमेंट काफी हद तक सटीक और साकारात्मक होता है।ऑफलाइन प्लेसमेंट में स्टुडेंट्स से आसानी से संचार हो सकता है।परन्तु ऑनलाइन में इन्टरनेट कनेक्टिविटी और अन्य तकनिकी त्रुटियां का सामना करना पड़ता है।इसके अलावा HR भी चाहते हैं कि प्लेसमेंट की सारी प्रक्रिया ऑफ़लाइन हो। इससे न सिर्फ पारदर्शिता रहेगी अपितु उम्मीदवार को और सही तरीके से समझने का मौका मिलेगा।

प्रश्न: आपके अनुसार क्लब या डिपार्टमेंट में रहने से स्टूडेंट को प्लेसमेंट में क्या फायदा होता है?
उत्तर: क्लब और डिपार्टमेंट में होने अथवा न होने से कोई अधिकांश फर्क नहीं पड़ता है।फर्क इस बात से पड़ता है की आप किस तरह कि प्रोजेक्ट्स और इंटर्नशिप का हिस्सा रहे हैं।यह एक साकारात्मक प्रभाव कंपनी पर डालता है जिससे जॉब के लिए आप अपने आप को सबसे सटीक उम्मीदवार साबित कर सकते हैं।

प्रश्न: आपके अनुसार प्लेसमेंट सीजन पहले कि तुलना से अच्छा रहने का कारण क्या था?इसमें प्लेसमेंट यूनिट ने अपने तरीकों में क्या बदलाब किया?
उतर: प्लेसमेंट यूनिट ने कोई बड़े बदलाव नहीं किये।प्लेसमेंट यूनिट सिर्फ कंपनी को पिच कर सकती है और स्टूडेंट का मार्गदर्शन कर सकती है। यह स्टुडेंट्स और उनके स्किल पर निर्भर करता है की सी.टी.सी कैसी रहेगी।इसके अलावा ऑनलाइन होने से स्टुडेंट्स को समय मिला जिससे प्लेसमेंट की तैयारी सही तरीके से हो पाई।

प्रश्न: कोई भी संदेश जो आप बिट्सियन को देना चाहेंगे जो आगामी प्लेसमेंट सीजन की तैयारी कर रहे हैं?
उतर: इस साल प्लेसमेंट काफी अच्छा था इसलिए उम्मीद है कि अगले साल प्लेसमेंट और भी अच्छा रहेगा।अगले प्लेसमेंट सीजन में भी हम एक नया रिकॉर्ड बना पाएंगे।प्लेसमेंट यूनिट आपकी मदद के लिए हमेशा तैयार है, इसलिए उन पर विश्वास रखें लक्ष्य निर्धारित करके प्लेसमेंट की तैयारी करते रहें। जिस कंपनी में आप नौकरी पाना चाहते हैं, उससे संबंधित तैयारी करे और ALL THE BEST।

इंटर्नशिप समन्वयक - सिद्धांत सिंघल

हिंदी प्रेस क्लब ने PU इंटर्नशिप समन्वयक, सिद्धान्त सिंघल से बात की और कोशिश की कि आगामी इंटर्नशिप सीज़न के संबंध में छात्रों के बहुप्रतीक्षित प्रश्नों के उत्तर आपके सामने प्रस्तुत कर सके।

प्रश्न: इंटर्नशिप समन्वयक के रूप में आपकी क्या भूमिका थी?
उत्तर: एक इंटर्नशिप समन्वयक के रूप में मेरा मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पूरा इंटर्नशिप सीज़न सुचारू रूप से चले। यह पूरी प्रक्रिया कंपनियों की पिचिंग से शुरू होती है और प्रस्ताव के रूपांतरण पर समाप्त होती है। हम कंपनियों को मेल और कॉल करके, उन्हें इंटर्नशिप सीज़न के लिए आमंत्रित करते हैं। किसी भी कंपनी द्वारा रुचि दिखाने के बाद, हम आवेदन पत्र भेजकर, उन्हें इच्छुक छात्रों का सुपरसेट दिखाते है। उसके बाद, परीक्षण, समूह चर्चा और कई अन्य चयन मानदंड के दौर होते हैं। उन चयन मानदंडों को पिच करने से लेकर उस तारीख तक, जब तक छात्रों के पास ऑफर लेटर नही आजाता, इन सभी चीजों को संभालना इंटर्नशिप समन्वयक का कार्य है।

प्रश्न: कंपनियों कों आमंत्रित या लक्षित किस प्रकार किया जाता है?
उत्तर: सबसे पहले, हम आमतौर पर उन कंपनियों को पिच करते हैं जो हर साल आती हैं, और जिनके साथ हमारे बहुत अच्छे संबंध हैं। हम उन नए स्टार्टअप्स को भी लक्षित करते हैं, जिन्हें हाल ही में बड़ा फंड मिला है या जो एक यूनिकॉर्न कंपनी बनने की दौड़ में हैं।

प्रश्न: इंटर्नशिप के लिए आवेदन करते समय कौन सी मूल प्रक्रिया और दौर से गुज़रना पड़ता है?
उत्तर: सबसे पहले आपसे पूछा जाएगा कि आप इंटर्नशिप सीजन के लिए बैठना चाहते हैं या नहीं। फिर हम गूगल फॉर्म को प्रसारित करते हैं जिसमें सेक्टरों की प्राथमिकता होती है। उसके बाद हम उस वरीयता सूची के अनुसार कंपनियों को लाते हैं। फिर यह कंपनी पर निर्भर करता है कि वे छात्रों को शॉर्टलिस्ट करने के लिए कितने राउंड चाहती है।

प्रश्न: इंटर्नशिप के दौर के माध्यम से योग्यता प्राप्त करने में सी. जी की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है?
उत्तर: सी. जी निश्चित रूप से बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि कुछ कंपनियों के लिए यह एक योग्यता मानदंड भी है। इसके अलावा आम तौर पर यदि आपके पास 7 से ऊपर सीजी है तो आप ज्यादातर सभी कंपनियों के लिए योग्य हैं। साथ ही, ऐसी कई कंपनियां भी हैं जिनके पास सीजी कटऑफ की प्रक्रिया ही नहीं है। लेकिन फिर भी, मैं सुझाव दूंगा कि सीजी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह ज्यादातर कंपनियों के लिए योग्यता मानदंड है।

प्रश्न: आपको क्या लगता है कि ऑनलाइन अवधि के बाद से इंटर्नशिप की गतिशीलता कैसे बदल गई है, क्योंकि पीयू ने इस बार उच्चतम इंटर्नशिप ऑफर दर्ज किया है।
उत्तर: इंटर्नशिप सीज़न में शानदार प्रतिक्रिया प्रमुख रूप से व्यापक हायरिंग पैटर्न के कारण है। कोविड की वजह से कारोबार ठप हो गया था, हायरिंग ही नहीं हो रही थी। दरअसल, ज्यादातर कंपनियों ने कटौती की थी। अब जब बाज़ार खुला है, प्रतिबंध हटा दिए गए है, तो कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की भारी मांग है। यही कारण है कि इस वर्ष इंटर्नशिप सीजन का अनुभव बहुत बेहतरीन हैं। इसके अलावा अगले सीज़न के लिए, मैं केवल आशावादी हो सकता हूं क्योंकि यह सफलता बहुत हद तक कंपनियों के रुझान पर निर्भर करती है।

प्रश्न: हाल ही में एक अवलोकन किया गया है कि सीएस और आईटी लोग इंटर्नशिप सीजन का सबसे अधिक लाभ उठाते हैं। ऐसा क्यों है?
उत्तर: हम सभी जानते हैं, पहले सेमेस्टर प्लेसमेंट सीजन में आईटी का बोलबाला होता हैं। जो छात्र उत्पाद क्षेत्र या परामर्श क्षेत्र में हैं, वह पहले सेमेस्टर के इंटर्नशिप सीजन के लिए आवेदन ही नहीं करते हैं, क्योंकि वह प्रथम सेमेस्टर में पीएस -2 के लिए जाते हैं और सेमेस्टर -2 के लिए प्लेसमेंट सीजन होता है।
देखिए बात यह है कि यदि आपको कोई ऑफर मिलता है, तो आपका प्लेसमेंट सीजन 4-1 और PS-2 4-2 में होता हैं। सीएस और आईटी के लोग ही केवल इंटर्नशिप के लिए आवेदन करते हैं क्योंकि अगर आप प्लेसमेंट सीजन 1 में बैठे हैं तो आपकी 3-2 की सीजी कों नहीं गिना जाएगा। वह छात्र जो अपनी सीजी को बढ़ावा देना चाहते हैं वे पीएस के लिए जाते हैं। इस प्रकार सीजी का लाभ पाने के लिए वे इस इंटर्नशिप सीजन में नामांकन ही नहीं करते।

प्रश्न: ऑन-कैंपस इंटर्नशिप में बिट्सियन को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा क्योंकि उनके वरिष्ठों के पास ऑनलाइन अनुभव ही है?
उत्तर: पहले तो केवल ऑफ़लाइन साक्षात्कार ही होते थे। इंटर्नशिप का चयन ऑनलाइन होने के कारण, गूगल से नकल की गुंजाइश काफी ज्यादा बढ़ जाती है, जो ऑफ़लाइन साक्षात्कार और चयन दौर में संभव नहीं है। तो मेरी राय में, एक वास्तविक क्षमता वाले व्यक्ति की पहचान केवल ऑफलाइन मोड में ही की जा सकती हैं। साथ ही, ऑनलाइन में हमें शेड्यूलिंग का भी एक फायदा है। हम गूगल मीट के माध्यम से एक साथ विभिन्न राउंड आयोजित कर सकते हैं जो ऑफलाइन मोड में संभव नहीं है क्योंकि PU ऑफिस और IPC में कमरों की उपलब्धता में कमी हैं।

प्रश्न: चूंकि हमारा कॉलेज दूरस्थ क्षेत्र में है, इसलिए क्या हम अपने छात्रों के लिए,ऑफलाइन मोड की तुलना में ऑनलाइन मोड में कंपनियों से अधिक रुचि की उम्मीद कर सकते हैं?
उत्तर: मुझे नहीं लगता कि कंपनियाँ हमारे छात्रों की गुणवत्ता पर भरोसा करने से जज़्यादा ऑनलाइन मोड पर भरोसा करती हैं। हमारा कॉलेज बहुत प्रतिष्ठित है और यदि उन्हें बिट्सियन की जरूरत है, तो चाहे प्रक्रिया ऑफ़लाइन हो या ऑनलाइन, कंपनियाँ हमारे छात्रों के लिए ज़रूर आएंगी।

प्रश्न: आपको क्या लगता है कि पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष औसत वृत्तिका कैसे भिन्न होगी?
उत्तर: इस साल ज़ाहिर तौर पर व्यापक भर्तियों के कारण वजीफा बढ़ा है। 3 कंपनियाँ जिनका मैं नाम जरुर लेना चाहूँगा- Amazon, Samsung और Salesforce ये 3 कंपनियाँ केवल sem-1 में आती हैं लेकिन इस साल वे दोनों सीज़न के लिए उपलब्ध हैं, जो अपने आप में काफ़ी उल्लेखनीय है। ऐसी कंपनियाँ हैं जिन्होंने 1 लाख से अधिक स्टाइपेंड प्रदान किया है। इसके अलावा, औसत वजीफा अपने आप में लगभग 50k है जो काफी उपलब्धि है।

प्रश्न: आप फ्रेशर्स और इंटर्नशिप चाहने वालों को क्या सलाह देंगे?
उत्तर: मै यही कहूँगा कि, अपने कौशल पर ध्यान दें और साथ ही एक उत्तम सी. जी बनाए रखें। शिक्षाविदों के अलावा अलग-अलग चीजों को आजमाएं, जैसे यदि आप कोडिंग में रुचि रखते हैं, तो उसमें उत्कृष्टता प्राप्त करने का प्रयास करें। यदि आप परामर्श उन्मुख चीजों में रुचि रखते हैं तो केस स्टडीज को हल करें। कॉलेज में संपर्क बनाने की कोशिश करें और अपने सीनियर्स के साथ अच्छे संबंध बनाए रखें। साथ ही अपने कॉलेज जीवन का भी भरपूर आनंद लें।

IT इंटर्नशिप - यश जैन

गूगल जैसी IT कंपनी में प्लेसमेंट प्राप्त करना अधिकतर विद्यार्थियों का स्वप्न होता है। इसी स्वप्न को सार्थकता में परिवर्तित किया है बिट्स पिलानी के छात्र यश जैन ने। प्रस्तुत हैं हिंदी प्रेस क्लब से उनकी बातचीत के कुछ अंश:

प्रश्न: आप अपने बारे में बतायें। आपने कब सोचा कि IT क्षेत्र में कार्य करेंगे?
उत्तर: मैं इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग का छात्र हूँ। मैं अपने द्वितीय वर्ष के द्वितीय सत्र तक इस दुविधा में था कि मुझे किस क्षेत्र में आगे बढ़ना है। किन्तु उसके पश्चात अत्यंत सोच विचार करने के बाद मैंने ये निर्णय लिया कि मुझे IT क्षेत्र में ही आगे काम करना है।

प्रश्न: आपने अपने शाखा के अलावा कौन-कौन से कोर्सेस लिए थे? क्या कॉलेज द्वारा दिये गये कोर्सेस आपके उन्द्योगी कार्य में लाभप्रद हैं?
उत्तर: मुझे ऐसा नहीं लगता कि इस सन्दर्भ में कॉलेज में कोई कोर्स कैम्पस पर करना अनिवार्य हैं। ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड प्रोग्राम्मिंग, DSA, आदि का अध्ययन आप स्वयं अपने स्तर पर कर सकते हैं। कंपनी यह नहीं चाहती की आप को सब पता हो। उनकी आशा सिर्फ़ यह होती हैं कि आपको दिया गया सवाल हल करना आना चाहिए। और यही कारण है कि कंप्यूटर साइंस के अतिरिक्त ब्रांच के विद्यार्थी भी IT प्लेसमेंट के लिए बैठ सकते हैं। अगर वे CG और ब्रांच कट-ऑफ को पार कर लेते हैं।

प्रश्न: जैसा कि आपने CG और ब्रांच कट-ऑफ के बारे में बताया। क्या आप बता सकते हैं कि प्लेसमेंट के लिए बैठने हेतु न्यूनतम अनिवार्यता क्या होंगी?
उत्तर: गूगल ने कट-ऑफ कम ही रखा था। जहाँ तक मुझे याद हैं शायद 7 रहा होगा। ज़्यादातर कंपनियाँ का भी कट-ऑफ ऐसे ही कुछ रेहता हैं। यदि आपकी CG 7.5 या 8 से ऊपर हैं तो आप निश्चिन्त रह सकते हैं। और रही बात कोर्सेस की तो OOPS, DSA, DBMS ये सभी आपको आने चाहिए किन्तु कंपनी की तरफ़ से इसकी कोई अनिवार्यता नहीं होती। आवश्यकता होती है तो बस ब्रांच और CG कट-ऑफ को सरलतापूर्वक पार कर लेना।

प्रश्न: जैसा की आपको पता होगा कि बिट्स में विभिन्न क्लब्स और डिपार्टमेंट्स हैं। आप किस किसका हिस्सा रहे हैं? क्या इनमें कार्यरत रहना आपके लिए लाभकारी था?
उत्तर: मैं अपने तृतीय वर्ष के दूसरे सत्र तक टीम अनंत में था और अपने द्वितीय वर्ष में रेडियो अस्ट्रोनोमी क्लब में भी एक साल के लिए था। बात करें लाभ की तो क्यूंकि मुझे IT क्षेत्र में जाना था तो इनका कोई खास लाभ तो नहीं हुआ क्योंकि ये आपको कोर क्षेत्र में लाभदायक सिद्ध होते हैं। वहाँ आप इसे अपने CV में लिख सकते हैं। बाकी ऐसा कोई खास महत्त्व नहीं रहा इन क्लब्स का मेरे लिए।

प्रश्न: आपका गूगल में चयन प्लेसमेंट सीज़न में हुआ या फ़िर आपको PPO प्राप्त हुआ था?
उत्तर: मेरा चयन प्लेसमेंट सीज़न में हुआ था। तृतीय वर्ष में मैंने वालमार्ट में इंटर्नशिप करी थी। वहाँ से मुझे PPO मिला था। दरअसल मुझे कुल 4 ऑफर मिले थे। पहला तो यही वालमार्ट से, दूसरा था टेक्सस इंस्ट्रुमेंट्स में सॉफ्टवेर डेवलपमेंट के लिए। मुझे यहाँ ये लाभ हुआ कि CS के छात्र इसमें नहीं बैठ सकते थे तो प्रतिस्पर्धा कुछ आसान हो गयी। तीसरा था लोव्स कंपनी से जो कि ऑफ कैम्पस था और अंतिम था गूगल।

प्रश्न: आपके समक्ष 4 ऑफर थे तो आपने गूगल ही क्यूँ चुना?
उत्तर: जैसा कि मैंने बताया कि मुझे IT में ही आगे बढ़ना था तो मैं इस दुविधा में था। इसलिए मैं इस दुविधा में भी था कि टेक्सस इंस्ट्रुमेंट्स में आवेदन करूँ या नहीं? क्यूँकि वाल्मार्ट और लोव्स में तो मैं नहीं जाना चाहता था क्योंकि प्रथम तो उनके CTC बाकियों के मुक़ाबले कम थे और दूसरा कंपनी की रेपुटेशन जिसमे वे कहीं भी गूगल और TI के समीप नहीं हैं। तो मैंने गूगल चुना क्योंकि मुझे हार्डकोर IT में जाना था। जो गूगल प्रदान कर रहा था।

प्रश्न: आपने किस प्रकार अपने प्लेसमेंट की तैयारी और पढाई को साथ-साथ निभाया? जैसा कि आप जानते हैं कि लॉकडाउन लगा था तो उसका आप की तैयारी पर क्कैसा प्रभाव पड़ा?
उत्तर: आरम्भ से ही मेरा लक्ष्य तो अच्छा प्लेसमेंट ही था किन्तु मैं पढाई के साथ समझौता नहीं करना चाहता था जिससे कि मेरी CG ना गिरे।अपने तृतीय वर्ष में मेरे एलेक्टिव्स भी IT से जुड़े हुए ही थे। बात करें मेरे CDC की तो मैं उतना कर लेता था कि ठीक-ठाक ग्रेड आ जाएं। मैंने प्लेसमेंट के लिए तैयारी मार्च 2020 से शुरू करी और यही वो समय था जब लॉकडाउन लगाया गया था। मेरे लिए तो लॉकडाउन का प्रभाव बहुत हितकारी रहा क्योंकि मुझे अधिक खाली समय मिल पाया। जो एकमात्र असुविधा हुई वो ये कि मुझे अपने दोस्तों का साथ नहीं मिल पा रहा था, तो जो भी करना था मुझे स्वतः ही करना पड़ रहा था। इसके अतिरिक्त तो लॉकडाउन से मुझे लाभ ही हुआ।

प्रश्न: आप अपने जूनियर्स को क्या सलाह देना चाहेंगे?
उत्तर: मैं बस इतना ही कहना चाहूँगा कि प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को अधिक से अधिक प्रयास करना चाहिए ये जानने में कि उनकी रूचि किसमे है। कई छात्र अपने प्रथम वर्ष में ही अपनी कोर ब्रांच छोड़ अन्य क्षेत्रों में जाने का प्रयास करने लगते हैं, इसमे कोई बुराई नहीं हैं किन्तु कुछ समय अपनी शाखा को भी देना चाहिए। जैसा कि मैंने करा मेरी ब्रांच EEE थी किन्तु मैं IT में गया पर पहले 3 सत्रों तक मैंने भी कोर को समझने कि पूरी कोशिश करी। आपको भी ऐसे ही एक्सप्लोर करना चाहिए। द्वितीय वर्ष के अंत तक आपको इस बात का ज्ञान हो जाएगा कि आपको जीवन में क्या करना है। उसके बाद ही आप निर्णय लें और उसपर अडिग रहें।

IT इंटर्नशिप - संस्कार झाझड़ीया

समर इंटर्नशिप सीज़न बिट्स पाठ्यक्रम का बहुत ही अहम हिस्सा है। यह सीज़न लगभग जुलाई के अंत से अक्टूबर माह तक चलता है। इसके चलते अलग-अलग कार्यशेत्रों की कंपनियाँ आती हैं और छात्रों को उनमें काम करने का अवसर प्राप्त होता है। अपने कौशल तथा CG के अनुसार, छात्रों को कंपनी में मौका मिलता है जो उनकी CV की शोभा बढ़ाने में भी मदद करता है। IT कार्यक्षेत्र में समर इंटर्नशिप सीज़न संबंधित कुछ अहम बातें जानने के लिए हिन्दी प्रेस क्लब ने संस्कार झाझड़ीया से वार्तालाप की। वर्तमान में वह "डी ई शॉ" में इंटर्नशिप कर रहे हैं।

प्रश्न: क्या आप हमें संक्षिप्त में अपने इंटर्नशिप के नामांकन की प्रक्रिया के बारे में बता सकते है? आपने कौन कौनसी कंपनी के लिए प्रयास किया और आपको किस प्रकार चुना गया?

उत्तर: अगस्त के पहले सप्ताह के आसपास, हम अपने सुपरसेट क्रेडेंशियल प्राप्त करते हैं। एक बार जब हम अपने सुपरसेट क्रेडेंशियल प्राप्त कर लेते हैं, तो हम वहां अपना रेज़्यूमे बनाते हैं। फिर एक-एक करके कंपनियों का विवरण, वेतन और अन्य महत्वपूर्ण विवरण सुपरसेट पर सूचीबद्ध होते हैं और आपको केवल नामांकन करने की आवश्यकता होती है। पंजीकरण के लिए, आपको बस उस विशेष कंपनी के लिए अपना रेज़्यूमे अपलोड करना होता हैं।
मेरी समर इंटर्न प्रक्रिया Google के साथ शुरू हुई जो जुलाई में आई थी। कोडनेशन अगस्त के मध्य के आसपास आया था। फिर दिन 0 पर गोल्डमैन सैक्स, एपीटी पोर्टफोलियो, उबर, ब्लूमबर्ग और डीई शॉ जैसी कंपनियां आईं। मुझे डीई शॉ और गोल्डमैन सैक्स में शॉर्टलिस्ट किया गया। दिन 0 पर सभी कंपनियों का इंटरव्यू एक साथ होता है। इसलिए, दिन 0 मेरे लिए थोड़ा व्यस्त था क्योंकि गोल्डमैन सैक्स और डीई शॉ एक ही समय में शुरू हुए थे।

प्रश्न: एक व्यक्ति इस व्यस्त प्रक्रिया में कैसे केंद्रित रहता है?

उत्तर: इंटर्न सीज़न के दौरान, आने वाले दिनों की तुलना में दिन 0 अभी भी कम व्यस्त है। हमारा काम थोड़ा आसान था क्योंकि यह ऑनलाइन मोड में आप बीच में ब्रेक में आराम करने के लिए स्वतंत्र हैं। अगर यह अगले बैच के लिए ऑफलाइन है, तो यह और भी मुश्किल हो जाएगा क्योंकि आप पूरे दिन पीयू कार्यालय में बैठे रहेंगे। इसलिए, आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि आपका अंतिम लक्ष्य क्या है। आपको लग सकता है कि यह प्रक्रिया थकाऊ है लेकिन आपको अपने भविष्य के लिए कड़ी मेहनत करते हुए बड़ी तस्वीर को ध्यान में रखना होगा। ध्यान केंद्रित रहने की मुख्य तकनीक यह है कि आप जानते हैं कि आपकी अवधारणाएं मजबूत हैं, इसलिए, आपको बस आत्मविश्वास से भरे रहने की जरूरत है क्योंकि साक्षात्कार आपके आत्मविश्वास का परीक्षण करते हैं, चाहे वह आपके जीवन का कोई भी साक्षात्कार हो।

प्रश्न: तो इस पूरी प्रक्रिया में, पीयू बहुत सहयोगी था?

उत्तर: ऑनलाइन मोड में पीयू के लिए यह विशेष रूप से कठिन था क्योंकि उन्हें कुछ तकनीकी गड़बड़ियों से भी निपटना था। मेरे बैच में, एक छात्र था जिसे दिन 0 पर 3 कंपनियों के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। ऐसा हुआ कि उसके पहले साक्षात्कार के लिए, उसका माइक काम नहीं कर रहा था, जिससे उसका पूरा शेड्यूल खराब हो गया। इस तरह, पीयू समय-समय पर शेड्यूल की गतिशीलता की जांच करने में बहुत सहायक था। उन्होंने कंपनियों और छात्रों के बीच बहुत अच्छा समन्वय भी किया।

प्रश्न: आपको कब पता चला कि आपकी रूचि IT sector मे है और आपने इसके लिए तैयारी कबसे शुरू की?

उत्तर: मैंने अपने 1-2 के अंत तक यह तय कर लिया था कि मैं आईटी क्षेत्र के लिए प्रयास करना चाहता हूं। अपने पहले साल की गर्मियों के दौरान, मैंने वेब डेवलपमेंट, ऐप डेवलपमेंट इत्यादि जैसी कुछ चीज़ों की खोज की थी और मुझे उनसे नफरत थी। मैंने वित्त क्षेत्र की भी खोज करने की कोशिश की लेकिन मुझे इसमें मेरी रुचि नहीं मिली। साथ ही जब आप कंप्यूटर साइंस शाखा से होते हैं, तो आपका रुझान आईटी क्षेत्र की ओर अधिक होता है। कुछ वरिष्ठों से सलाह लेने के बाद भी, मुझे यकीन था कि मैं केवल आईटी क्षेत्र में ही जाना चाहता हूँ। हालाँकि, जैसा कि मैं एक कंप्यूटर विज्ञान पृष्ठभूमि से आता हूँ, मुझे एक अतिरिक्त लाभ हुआ कि मेरे CDC में शामिल विषय महत्वपूर्ण थे, जिसके आधार पर कोई अपने समर इंटर्न सीज़न की तैयारी करता है। मैंने मई 2021 को अपने समर इंटर्न सीज़न की तैयारी पूरी तरह से शुरू कर दी थी, जब मेरे पास तैयारी के लिए लगभग 3 महीने थे।

प्रश्न : क्या आपके पिछले किसी समान अनुभव ने आपके लिए यह चयन प्रक्रिया बेहतर बनाई?

उत्तर: मुझे आईटी क्षेत्र में कोई इंटर्नशिप अनुभव नहीं था। मैंने अपने पहले साल के अंत में एक इंटर्नशिप की, जो कंटेंट राइटिंग और SEO (सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन) में थी। मेरे PS-1 के माध्यम से इंटर्नशिप के अनुभव ने मुझे दो गुना लाभ दिया। सबसे पहले, हमारे पास स्विगी में वास्तव में कम काम था, इसलिए मुझे अपने व्यक्तिगत विकास के लिए बहुत समय मिला। साथ ही, स्विगी में मेरे मेंटर ने मेरा काफ़ी मार्गदर्शन किया। साथ ही मैंने स्विगी में जो काम किया, उससे मुझे इंटरव्यू के दौरान काफी मदद मिली। साक्षात्कार के दौरान, आपको कई बार खुद को पिच करने की आवश्यकता होती है क्योंकि साक्षात्कारकर्ता आपसे आपकी परियोजनाओं और पिछले इंटर्नशिप अनुभवों के बारे में पूछते हैं। मैंने स्विगी में जो काम किया वह डीई शॉ के लिए बहुत प्रासंगिक था। स्विगी में, मैं डेटा प्लेटफॉर्म टीम में था और डीई शॉ भी बहुत सारे डेटा से निपटता है। इसलिए, डीई शॉ में मेरे साक्षात्कारकर्ता वास्तव में मेरे द्वारा स्विगी में किए गए काम से प्रभावित थे। मेरा मानना है कि डीई शॉ के लिए काम करना शुरू करने के बाद, मैं स्विगी में सीखी गई कोर ऑप्टिमाइजेशन जैसी अवधारणाओं की उपयोगिता का बेहतर विश्लेषण कर पाऊंगा।

प्रश्न: आप अपने समर इंटर्न में किस तरह की भूमिका निभाने की उम्मीद कर रहे हैं?

उत्तर: हमें डीई शॉ में 4 क्षेत्रों में से चुनने का विकल्प दिया गया था। एक हार्डकोर सॉफ्टवेयर विकास से संबंधित था जो ज्यादातर पेरोल प्रबंधन के बारे में था। एक अन्य विशिष्ट वित्तीय भूमिका थी। एक अन्य भूमिका डेटा टीम से संबंधित थी, जो बहुत सारे डेटा को संभालने से संबंधित थी । चौथी भूमिका व्यापारिक क्षेत्र से संबंधित थी क्योंकि डीई शॉ प्रमुख रूप से एक विश्लेषक कंपनी है। इसलिए कुछ लोगों से परामर्श करने के बाद जो, मैंने व्यापारिक क्षेत्र में एक भूमिका निभाने की सोची। सभी ने कहा कि डेटा प्लेटफ़ॉर्म टीम मेरी रुचियों से संबंधित एक अच्छी टीम थी क्योंकि मेरी रुचि प्योर सॉफ़्टवेयर में कभी नहीं थी। मुझे डेटा, ट्रेडिंग और फाइनेंस में दिलचस्पी थी। इसलिए, मैंने पाया कि डेटा प्लेटफॉर्म टीम मेरे लिए सबसे अच्छी टीम है। हालांकि, डीई शॉ में काम शुरू करने के बाद, सटीक भूमिकाएं हमें आवंटित की जाएंगी। यहां डीई शॉ में अनुसंधान के साथ-साथ विकास की बहुत गुंजाइश है जो शायद एक सामान्य सॉफ्टवेयर भूमिका आपको पेश करने में सक्षम नहीं हो सकती है।

प्रश्न: क्या आपको लगता है कि आप अपने समर इंटर्न सीज़न के लिए बेहतर तरीके से तैयारी कर सकते थे?

उत्तर: मैंने competitive कोडिंग में 3 महीने का क्रैश कोर्स किया था, जिसका सुझाव मैं बहुत से लोगों को नहीं दूंगा क्योंकि मुझे शुरुआत में अभ्यास करने के लिए बहुत कम समय मिलता था। मुझे अपने बहुत सारे कोडिंग राउंड में इसका एहसास हुआ। इसलिए, मेरे कोडिंग राउंड के दौरान मुझमें आत्मविश्वास की कमी थी। इसलिए, मेरा सुझाव यह है कि, यदि आप आईटी के लिए लक्ष्य बना रहे हैं, तो पहले से अच्छी तैयारी शुरू कर दें। सुनिश्चित करें कि आपके पास अपने लिए भी पर्याप्त समय है।

प्रश्न: आपने व्यक्तिगत स्तर पर किस तरह के प्रोजेक्ट किए, जिससे आपका रिज्यूमे शानदार हो गया?

उत्तर: उन 3 महीनों के दौरान मेरे पास समय की कमी थी, इसलिए मैंने अपने PS-1 के अलावा और कुछ नहीं किया।

प्रश्न: ऐसे कौनसे प्रोजेक्ट्स और कोर्सेस है बिट्स के पाठ्यक्रम मे जिससे आपको IT सेक्टर के इंटर्नशिप मे उपयोगी रहे?

उत्तर: हमारी बिट्सियन संस्कृति, जो छात्रों द्वारा चलाए जाने वाले हर चीज को बढ़ावा देती है, स्वयं हमें व्यक्तियों के रूप में विकसित करने में मदद करती है। अगर मैं अपने बारे में बात करूं, तो मैं एनएसएस का हिस्सा हूं, और अपनी ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप से पहले, मैंने एनएसएस में 2 दौर के साक्षात्कार दिए हैं, जिससे मुझे अपनी बातों को अजनबियों के सामने पेश करने के लिए आत्मविश्वास हासिल करने में मदद मिली।
इसके अलावा, पाठ्यक्रम के बारे में, मैं कहूंगा कि कंप्यूटर विज्ञान के सीडीसी अच्छे हैं। BITS में DSA थोड़ा धीमा है क्योंकि इसे 2 भागों DSA और DAA में विभाजित किया गया है। इसके कारण ऐसा होता है कि DSA में आप केवल आधे काम ही करते हैं जो जरूरी है। हालाँकि यदि आप अपने CDC को अच्छी तरह से तैयार कर रहे हैं, तो आप सैद्धांतिक प्रश्नों के लिए अच्छी तरह तैयार होंगे। यह डीई शॉ जैसी कंपनियों में विशेष रूप से फायदेमंद है जिसमें सबसे भारी सैद्धांतिक पूर्व-आवश्यकता है।

प्रश्न: तो क्या आप पाठ्यक्रम में किसी ऐसे बदलाव की सिफारिश करेंगे जिससे आपके जूनियर बैच को मदद मिल सके?

उत्तर: पाठ्यक्रम प्रकृति काफी गतिशील रहा है। उदाहरण के लिए, पाठ्यक्रम OOP (ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड प्रोग्रामिंग) पिछले कुछ सेमेस्टर से परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। मेरे पास बिट्स के लोगों के लिए एक सलाह है, सामान्य तौर पर, उन्हें अपनी पुस्तकों पर ध्यान देना चाहिए। यहां बिट्स में छात्र अंतिम समय में स्लाइड या वीडियो के माध्यम से जाते हैं। इससे आपको अपने पाठ्यक्रम को कवर करने में मदद मिलेगी लेकिन यह लंबे समय में आपकी मदद नहीं करेगा।

प्रश्न: क्या इंटर्न सीजन के दौरान सीजी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है?

उत्तर: अपने CG को बनाए रखने के लिए आपको अपने काम को प्राथमिकता देनी होगी। यहां तक कि अगर आप अपनी कक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो यह आपके लगभग 90% शिक्षाविदों को कवर करता है। अपने समय का विवेकपूर्ण प्रबंधन करें।
हमारे समय में रेज़्यूमे शॉर्टलिस्टिंग को बहुत महत्व दिया जाता था। सौभाग्य से मुझे उनमें से किसी के माध्यम से नहीं जाना पड़ा क्योंकि दिन 0 में वह भारी रेज़्यूमे शॉर्टलिस्टिंग नहीं था। दिन 0 पर, कंपनियों ने ज्यादातर कोडिंग राउंड के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया था। अन्य दिनों के दौरान, कम्पनियाँ CG को काफी अधिक महत्व दे रही थीं। 7+ CG आवश्यक है क्योंकि 70% कंपनियां न्यूनतम 7+ CG की आवश्यकता के साथ आती हैं।

प्रश्न: जो छात्र IT सेक्टर मे इंटर्नशिप पाने का प्रयास कर रहे है उन्हें आप क्या सलाह देना चाहेंगे? कैसे, कब और कहा से शुरुआत करनी चाहिए?

उत्तर: यदि आप एक अच्छी कंपनी के लिए लक्ष्य बना रहे हैं, तो मैं सिर्फ एक बात का सुझाव देना चाहूंगा, कृपया अपनी सैद्धांतिक अवधारणाओं पर ध्यान दें। जो छात्र आईटी के लिए आते हैं, वे अपने पहले वर्ष से ही प्रतिस्पर्धी कोडिंग का अभ्यास करना शुरू कर देते हैं। आपका साक्षात्कार आपके कोडिंग कौशल की तुलना में आपकी सैद्धांतिक अवधारणाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करेगा। यहां तक कि अगर आप कोडिंग प्रश्नों का अभ्यास कर रहे हैं, तो जाएं और इसके पीछे के सिद्धांत के बारे में पढ़ें।

IT इंटर्नशिप - माधव गुप्ता

समर इंटर्नशिप सीज़न बिट्स पाठ्यक्रम का बहुत ही अहम हिस्सा है। यह सीज़न लगभग जुलाई के अंत से अक्टूबर माह तक चलता है। इसके चलते अलग-अलग क्षेत्रों की कंपनियाँ आती हैं और छात्रों को उनमें काम करने का अवसर प्राप्त होता है। अपने कौशल तथा CG के अनुसार, छात्रों को कंपनी में मौका मिलता है जो उनकी CV की शोभा बढ़ाने में भी मदद करता है। IT कार्यक्षेत्र में समर इंटर्नशिप सीज़न संबंधित कुछ अहम बातें जानने के लिए हिन्दी प्रेस क्लब ने माधव गुपता से वार्तालाप की। वर्तमान में वह "उबर" में इंटर्नशिप कर रहे हैं।

प्रश्न: क्या आप हमें संक्षिप्त में अपने इंटर्नशिप के नामांकन की प्रक्रिया के बारे में बता सकते है? आपने कौन-कौनसी कंपनी के लिए प्रयास किया और आपको किस प्रकार चुना गया?
उत्तर: हमारा समर इंटर्न सीजन पिछले साल अगस्त के अंत में शुरू हुआ था। मैंने कुछ ऑफ-कैंपस अवसरों के लिए आवेदन करने की कोशिश की जैसे ब्लूमबर्ग, जेपी मॉर्गन सिंगापुर और फेसबुक। हालाँकि, उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी, इसलिए मैं ऑन-कैंपस इंटर्नशिप सीज़न के लिए बैठ गया। दिवस 0 में 3 कंपनियां शामिल थीं: डी ई शॉ, उबर, गोल्डमैन सैक्स और एपीटी। पहला राउंड कोडिंग टेस्ट था और मैं डी ई शॉ को छोड़कर उपरोक्त कंपनियों के लिए सभी कोडिंग टेस्ट पास करने में सक्षम था। प्रत्येक कोडिंग टेस्ट का एक अलग प्रारूप था। उबर के पास 3 कोडिंग प्रश्न थे, गोल्डमैन सैक्स के पास योग्यता और कोडिंग के साथ गणित आधारित अधिक समस्याएं थीं। APT भी C कोडिंग भाषा के उपयोग पर अधिक केंद्रित था। इसलिए केवल दिन 0 पर मैंने सभी 3 कंपनियों के लिए एक साक्षात्कार लिया जो सुबह 9 बजे से एपीटी के साथ, 9:30 से गोल्डमैन सैक्स के साथ और 10 से उबर के साथ शुरू हुआ। मेरा एपीटी साक्षात्कार 9:50 तक बढ़ा, जहां साक्षात्कारकर्ता आसान प्रश्न पूछ रहे थे, जो कि कोडिंग साक्षात्कार की तैयारी करने वाले किसी व्यक्ति को अवश्य पता होना चाहिए। इस देरी के कारण, मैं अपने गोल्डमैन सैक्स साक्षात्कार में नहीं बैठ पाया। इसलिए मैं सीधे अपने उबेर साक्षात्कार के लिए चला गया। मेरा उबर साक्षात्कार 2 लोगों द्वारा लिया गया था और इसमें केवल 1 प्रश्न शामिल था। एक साक्षात्कारकर्ता ने नोट किया कि मैं कोडिंग कैसे करता हूं और दूसरे साक्षात्कारकर्ता ने मुझे प्रश्न समझाया। मैं प्रश्न को आंशिक रूप से हल करने में सक्षम था लेकिन साक्षात्कारकर्ता प्रश्न को हल करने के मेरे दृष्टिकोण में अधिक रुचि रखते थे। जैसे ही मेरा उबर साक्षात्कार समाप्त हुआ, मुझे बताया गया कि 12 से एपीटी राउंड 2 था और गोल्डमैन सैक्स राउंड 1 को 11:30 तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद दोपहर 1 बजे मेरा उबर राउंड 2 निर्धारित किया गया। उबर राउंड 2 सिस्टम डिज़ाइन पर आधारित था जो मेरी रुचियों के अनुरूप था और मेरे सीएस सीडीसी से प्राप्त ज्ञान से संबंधित था। अंत में उबर राउंड 3 शाम को आयोजित किया गया जिसमें एक बड़ा कोडिंग प्रश्न शामिल था जिसमें कि माइंडस्वीपर गेम को लागू करना था। मुझे मूल विचार दिया गया था लेकिन मुझे स्क्रैच से कोड करना था। जैसा कि साक्षात्कारकर्ता ने उल्लेख किया है, मैं सभी चरणों को कालानुक्रमिक रूप से करने में सक्षम था। जिस तरह से मैं कोडिंग कर रहा था उससे साक्षात्कारकर्ता संतुष्ट थे। रात के 8:30 बजे मुझे बताया गया कि मुझे उबर में इंटर्नशिप के लिए चुना गया है।

प्रश्न: एक व्यक्ति इस व्यस्त प्रक्रिया में कैसे केंद्रित रहता है?
उत्तर: इंटरव्यू लेने वाले भी जानते हैं कि आप सुबह से ही इंटरव्यू दे रहे हैं. एपीटी और उबर में मेरे साक्षात्कारकर्ताओं को पीयू के साथ संवाद करना पड़ा ताकि एक समय निश्चित किया जाए, जो अन्य कंपनियों के साथ मेल नहीं खाता था। उबर के दूसरे साक्षात्कार में, मुझे एक ब्रेक लेने की अनुमति दी गई थी। ब्रेक के बीच लगातार पानी पीते रहें। अकेले न बैठें और थोड़ा टहलें क्योंकि इससे आपका दिमाग तरोताजा रहेगा। जो हुआ उसके बारे में मत सोचो क्योंकि कुछ सवालों के जवाब न जानना ठीक है और प्रक्रिया के अगले भाग पर ध्यान केंद्रित करें।

प्रश्न: क्या आपको 1 साक्षात्कार छूटने का खेद है?
उत्तर: हां, मैं थोड़ा निराश था कि इस देरी के कारण, मैं अब केवल 2 कंपनियों में योग्य था। लेकिन मुझे उस रात ही उबर की तरफ से ऑफर मिला तो मुझे इसका इतना अफसोस नहीं हुआ क्योंकि मैंने बाकी 2 इंटरव्यू में अपना यथासंभव प्रयास किया था।

प्रश्न: तो इस पूरी प्रक्रिया में, पीयू बहुत सहयोगी था?
उत्तर: इंटर्न सीजन के दौरान, पीयू बहुत व्यस्त रहता है क्योंकि उन्हें इंटर्न सीजन के लिए बैठे सभी बिट्सियन के कई प्रश्नों और मुद्दों को संभालना होता है। उन्हें कंपनियों और सभी छात्रों के बीच समन्वय स्थापित करना होता है। चूंकि यह एक व्यस्त प्रक्रिया थी, कभी-कभी, वे मेरे प्रश्नों का उत्तर देना भूल जाते थे, लेकिन अधिकांश समय वे बहुत सहयोगी होते थे।

प्रश्न: आपको कब पता चला कि आपकी रूचि IT sector मे है और आपने इसके लिए तैयारी कबसे शुरू की?
उत्तर: कंप्यूटर में मेरी रुचि 8वीं कक्षा से है, जहां हमने पॉवरपॉइंट, फोटोशॉप, वीडियो एडिटिंग, C++ जैसी अवधारणाएं सीखीं। IT क्षेत्र में जाने की मेरी प्रतिबद्धता बहुत पहले से थी।

प्रश्न: क्या आपके पिछले किसी समान अनुभव ने आपके लिए यह चयन प्रक्रिया बेहतर बनाई?
उत्तर: मैंने इससे पहले एक स्टार्टअप के लिए इंटर्न किया था और चूंकि यह बिट्सियन के नेतृत्व वाला स्टार्टअप था, इसलिए कोई आधिकारिक साक्षात्कार प्रक्रिया नहीं थी जैसा कि इंटर्न सीज़न के दिन 0 पर आयोजित किया गया था। तब मुझे मेरे रेज़्यूमे के आधार पर काम पर रखा गया था, इसलिए मुझे पहले का अनुभव नहीं था। हालांकि, पीयू ने हाल ही में नियुक्त हुए पूर्व छात्रों के माध्यम से दिन 0 से एक दिन पहले हमारे लिए मॉक इंटरव्यू आयोजित किया था। इस प्रक्रिया ने मुझे यह समझने में मदद की कि साक्षात्कार के दौरान कैसे संवाद किया जाए और साक्षात्कारकर्ता प्रत्येक प्रश्न में क्या अपेक्षा करता है।

प्रश्न: आपने व्यक्तिगत स्तर पर किस तरह के प्रोजेक्ट किए, जिससे आपका रिज्यूमे शानदार हो गया?
उत्तर: अपने पहले वर्ष में, मैं अपने शिक्षाविदों पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। इसलिए लॉकडाउन के दौरान, जब मैं घर वापस गया, तो मुझे एहसास हुआ कि मेरे पास अगले साल होने वाले इंटर्न सीज़न के लिए कई रेज़्यूमे पॉइंट नहीं हैं और मुझे अभी से उन पर काम शुरू करने की आवश्यकता है। मैंने फ्रंटएंड डेवलपमेंट के लिए कौरसेरा पर एक कोर्स लिया, जो HTML से शुरू हुआ और रिएक्ट तक चला। तो फ्रंटएंड पहला टूल था जो मैंने सीखा और खुद के कुछ प्रोजेक्ट किये। उसके ठीक बाद, मैंने अपने लिए कुछ परियोजनाएँ बनाईं, मौजूदा परियोजनाओं को दोहराने के लिए वेबसाइटें बनाईं। मैं एक विभाग में हूं और इसके पूर्व छात्रों के माध्यम से, मुझे पॉडकास्ट के लिए एक वेबसाइट बनाने के लिए एक नौकरी मिली। यह मेरा पहला बाहरी प्रोजेक्ट था जो मैंने अपने 2-1 में किया था। इसके अलावा, मैं और मेरा दोस्त 'बिट्स इन पीस' नामक एक परियोजना पर काम कर रहे थे, जो एक ऐसी वेबसाइट थी जिसने छात्रों को अपने पीएस स्टेशन चुनने में मदद की और उन्हें अपने electives चुनने में भी मदद की। मेरे 2-2 की शुरुआत में, जैसा कि ऑनलाइन APOGEE था, MLSA के लिए, मैंने साइबरहुडिनी इवेंट वेबसाइट का फ्रंटएंड बनाया। उसके ठीक बाद, मैं ACM के साथ एक गेम पर काम कर रहा था, जहां हम ऑनलाइन खेले जाने वाले गेम 'ब्लफ' को बनाने की कोशिश कर रहे थे। यह एक बहुत ही फ्रंटएंड हैवी प्रोजेक्ट था जिसके कारण मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला और एक फ्रंटएंड डेवलपर के रूप में अपने कौशल को विकसित किया। उसके बाद, मैंने उस स्टार्टअप में इंटर्नशिप ली, जिसका मैंने पहले उल्लेख किया था, 'DIVO' जो मेरी अंतिम परीक्षा से ठीक पहले समाप्त हुई। क्लियर ग्रेड होने के कारण मैंने अपने अंतिम परीक्षा में 'ऑल क्लियर' ले लिया और जैसे ही मैं इस कोर्स वर्क से मुक्त हुआ, मैंने अपने इंटर्न की तैयारी शुरू कर दी।

प्रश्न: आप अपने आने वाले समर इंटर्नशिप मे किस प्रकार का काम करने की उम्मीद रखते हैं?
उत्तर: मैं उस काम के बारे में नहीं जानता जो मैं अब अगली गर्मियों में करूँगा क्योंकि उबर में बहुत सारी विविध भूमिकाएँ हैं। साक्षात्कारकर्ता जो मेरा साक्षात्कार ले रहे थे वे जोखिम विश्लेषण टीम से थे और ग्राहक सहायता टीम जैसी अन्य टीमें भी हैं। ज्यादातर मुझे जो काम सौंपा गया है वह विकास कार्य होगा लेकिन मैं नई चीजों को आजमाने के लिए उत्साहित हूं जो वे मुझे सौंपेंगे क्योंकि मैं फ्रंटएंड डेवलपमेंट के साथ संतृप्ति तक पहुंच गया हूं।

प्रश्न: ऐसे कौन से प्रोजेक्ट्स और कोर्सेस है बिट्स के पाठ्यक्रम मे जो आपको IT सेक्टर के इंटर्नशिप मे उपयोगी रहे?
उत्तर: मेरा मानना है कि मेरे सीडीसी में शामिल कोई भी परियोजना मेरे रेज़्यूमे में शामिल करने लायक नहीं थी। साक्षात्कार के दौरान जिन CDCs की आवश्यकता थी, वे OOP (ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड प्रोग्राम), डेटाबेस मैनेजमेंट और DSA की मूल बातें हैं।

प्रश्न: तो क्या आप पाठ्यक्रम में किसी ऐसे बदलाव की सिफारिश करेंगे जिससे आपके जूनियर बैच को मदद मिल सके?
उत्तर: मेरा मानना है कि हर शाखा द्वारा अपनाए जाने वाले पाठ्यचर्या को अब अद्यतन करने की आवश्यकता है क्योंकि इसका पालन किया जाने वाला पाठ्यक्रम पहले से ही है और यहां के प्रोफेसरों ने अपनी काबिलियत के आधार पर पाठ्यक्रम को संशोधित किया है। हालांकि यह प्रोफेसर से प्रोफेसर तक भिन्न होता है। अमित दुआ जैसे कुछ प्रोफेसरों ने पाठ्यक्रम में और अधिक परियोजनाएं शामिल की हैं जिन्हें रेज़्यूमे में रखा जा सकता है। प्रोजेक्ट को असाइनमेंट के रूप में देने से लोगों को अपना सीडीसी पूरा करने का मौका मिलेगा।

प्रश्न: जो छात्र IT सेक्टर मे इंटर्नशिप पाने का प्रयास कर रहे है उन्हें आप क्या सलाह देना चाहेंगे? कैसे, कब और कहा से शुरुआत करनी चाहिए?
उत्तर: अपने 2-2 compre के बाद या उससे भी पहले तैयारी करना शुरू करें और रोजाना अभ्यास करें क्योंकि इसमें बहुत कुछ शामिल है। लीटकोड जैसी वेबसाइटों का उपयोग करें। YouTube पर उन अवधारणाओं की तलाश करें जिन्हें आप नहीं समझते हैं। संरचनात्मक रूप से सब कुछ का पालन करें। प्रश्नों को न छोड़ें क्योंकि इससे कोई फायदा नहीं होता है। पूछे जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रश्नों की संरचना का पता लगाएं। किसी विशिष्ट कंपनी के लिए किसी भी साक्षात्कार या कोडिंग परीक्षा से पहले, बस Google से पूछे कि वे आम तौर पर अपनी परीक्षा में किस तरह के प्रश्न पूछते हैं क्योंकि वे दोहराते हैं। मेरे लिए, माइंडस्वीपर से संबंधित प्रश्न पहले उबर द्वारा अन्य साक्षात्कारों में पूछे गए थे और यह ऑनलाइन उपलब्ध था इसलिए मैं इस प्रश्न के लिए तैयार था।

प्रश्न: अपने रेज़्यूमे (resume) को आकर्षक बनाने के लिए क्या आप कोई विशिष्ट टिपणी देना चाहेंगे?
उत्तर: यदि आपका रेज़्यूमे 1 पेज का नही है, तो उसे 1 पेज तक बनाने की कोई आवश्यकता नहीं है। कंपनियों द्वारा फिलर्स की सराहना नहीं की जाती है। अपनी परियोजनाओं को अधिक महत्व न दें क्योंकि आपसे उनसे संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं और यदि आप उनका उत्तर देने में सक्षम नहीं हैं, तो यह साक्षात्कारकर्ताओं की ओर से सीधे तौर पर नहीं है। उपयुक्त कीवर्ड का उपयोग करें और उन्हें अपने प्रत्येक प्रोजेक्ट या कार्य अनुभव के लिए हाइलाइट करें। अपनी शिक्षा, अपनी परियोजनाओं, अपने कार्य अनुभव का उल्लेख करें।

प्रश्न: क्या इंटर्न सीजन के दौरान सीजी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है?
उत्तर: हां, चयन प्रक्रिया पर CG का बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। यह एक बहुत अच्छा मीट्रिक है। हर साल Google लगभग 2 लोगों को उनके कोडिंग कौशल को देखे बिना ही ले लेता है, बस उनके CG के आधार पर। मेरा चयन भी कुछ हद तक अन्य उम्मीदवारों से टाईब्रेकर के रूप में सीजी पर आधारित था क्योंकि उबर हमारे परिसर से केवल 1 छात्र को लेने के बारे में सोच रहा था।

ET इंटर्नशिप - तपस मजूमदार

तपस मजूमदार ने हाल ही में NVIDIA के साथ समर इंटर्नशिप प्राप्त की है और हिन्दी प्रेस क्लब ने उनसे इस बारे में बातचीत की। प्रस्तुत है उनका साक्षात्कार।

प्रश्न: आपकी समर इंटर्नशिप किस कंपनी के साथ है और उसमें आप क्या भूमिका निभाएंगे?
उत्तर: मेरी इंटर्नशिप NVIDIA के साथ है जहाँ मेरा प्रमुख काम इंटीग्रेटेड सर्किट बनाना, उसका परीक्षण करना और उसको जाँचने का है। यह काम मैं एक टीम के साथ ही करूँगा, और हम इंटीग्रेटेड सर्किट बनाके NVIDIA को प्रस्तुत करेंगे।

प्रश्न: आपने E.T के क्षेत्र में अपनी रुचि को कैसे पहचाना?
उत्तर: अपने द्वितीय वर्ष में अपने पाठ्यक्रम 'डिजिटल डिज़ाइन' पढ़कर मेरी रुचि इस क्षेत्र में जागी। उससे पहले मुझे इलेक्ट्रॉनिक्स की बहुत जानकारी नहीं थी। कोर में 2 विकल्प होते है: एनालॉग और डिजिटल। मैंने दोनों के बारे में पढ़ने लगा क्योंकि यह पहले से नहीं पता होता कि किस कंपनी में आपको कैसा अवसर मिल सकता है।

प्रश्न: आपने SI की तैयारी किस प्रकार की?
उत्तर: अपने तीसरे वर्ष की गर्मियों की छुट्टियों में मेरा पास कोई प्रोजेक्ट नहीं थे, तो मेरे पास SI की तैयारी के लिए काफ़ी समय था। तब मैंने 'डिजिटल डिज़ाइन' शुरुआत से पढ़ना शुरू किया ताकि मेरे कान्सैप्ट एकदम सटीक हो। पढ़ने के लिए ऑनलाइन स्त्रोत बहुत है। उसके बाद मैंने अभ्यास के लिए Verilog पर तैयारी करी। Verilog, जो एक हार्डवेर की भाषा है, का इस्तेमाल अत्यधिक होता है, Python और C के मूलभूत भी आना ठीक है। साथ ही मैं 'अनैलॉग इलेक्ट्रॉनिक्स' पढ़ने लगा, जिसके लिए किताबें 'सेडरा & स्मिथ' और 'रज़ावी' मुझे बहुत अच्छी लगी।

प्रश्न: क्या बिट्स में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम असल में कार्यक्षेत्र में काम आते है?
उत्तर: अंडरग्राजुएट छात्रों से कंपनियाँ अधिक अपेक्षा नहीं रखती,वह सिर्फ यह आशा रखतीं है कि उनके कान्सैप्ट सही हो और ऐसा ना हो कि उन्होंने बस परीक्षा के लिए चीज़ें रट रखी हो। इससे यह साबित होता है कि नयी चीज़ें सीखने को आप तैयार है और आप सर्किट विश्लेषण कर पाएंगे। काफ़ी चीज़ें तो काम करते करते ही सीखने को मिलती है, शुरुआत के लिए अपने पाठ्यक्रम आना ही पर्याप्त है। वे असल काम करने की बुनियाद बनाते है।

प्रश्न: SI के लिए क्या कंपनियाँ CG का पैमाना देखती है? अच्छी CG होना कितना आवश्यक है?
उत्तर: आम तौर पर कंपनियाँ CG को ज़रूर देखती है पर उसे घोषित नहीं करती। अच्छी CG होना एक तरह से आवश्यक ही है। NVIDIA की तरफ से 8.5 की कटऑफ थी, और बाकी कंपनियाँ भी 7.5-8 के आसपास रखती है। 7.5 के ऊपर CG रखने से SI प्राप्त करने की संभावना बढ़ जाती है।

प्रश्न: क्या PS-1 से आपको कोई लाभ हुआ? या क्या PS-1 के अनुभव ने आपको SI प्राप्त करने में सहायता की?
उत्तर: मेरा PS-1 ML प्रयोग के कार्यक्षेत्र में था, Samsung के साथ। क्योंकि ये कोर से हटकर था, तो SI के समय मुझसे इस बारे में ज़्यादा सवाल नहीं किए गए। हाँ अगर PS-1 और SI एक ही क्षेत्र के हो तो वो आपसे उसके बारे में ज़रूर पूछेंगे। इसके अलावा PS-1 से इतना फर्क नहीं पड़ता।

प्रश्न: CV बनाना के प्रक्रिया और उसके प्रभाव के बारे में बताइए।
उत्तर: CV संबन्धित निर्देश PU की तरफ से आते है। वे एक नमूना सबको पेश करते है जिसके हिसाब से आपको अपना रेस्यूमेय बनाना होता है ताकि सबके रेस्यूमेय में समानता रहे। बाकी प्रोजेक्ट रेस्यमेय में डालने होते है, पर हार्डवेर के लिए लोगों के पास साधन नहीं होते। पाठ्यक्रम के प्रोजेक्ट अगर खुद से करें हो और कुछ सीखा हो तो वो भी दिखा सकते हो, कंपनियाँ उस ही पर आपसे प्रश्न पूछ लेंगी। एनालॉग के लिए ADVD और AnE पाठ्यक्रम के प्रोजेक्ट महत्वपूर्ण है। डिजिटल में पाठ्यक्रम में प्रोजेक्ट नहीं मिलते।

प्रश्न: प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए कोई संदेश?
उत्तर: मैं इतना ही कहूँगा की पहले साल में CG पर ध्यान दें क्योंकि मैंने ऐसे होते हुए देखा है की लोगों का CG कटऑफ 0.1/0.2 से छूट जाता है, और फिर पछतावा होता है। किसी भी तरह 7+ CG रखने की कोशिश करो, और कोर के लिए 8+। कोर के लिए अपने पाठ्यक्रम ध्यान से पढ़ों, क्योंकि वे काम आते है।

मैकेनिकल (कोर) - आयुष कुमार

प्रश्न: आपका चयन किस कंपनी में हुआ है और उस कंपनी में आपकी क्या भूमिका है?
उत्तर: मेरा चयन Ola-Electric में हुआ है। कंपनी ने मुझे मैकेनिकल कोर में 2 भूमिकाएं प्रस्तावित की- vehicle designing और vehicle engineer। मैं इस कंपनी में Vehicle Engineer की भूमिका निभाउंगा। ओला ने हाल ही में अपना इलेक्ट्रिक स्कूटर बाज़ार में उतारा है। भविष्य में इस कंपनी से इलेक्ट्रिक चौपहिया वाहन की उम्मीद भी रखी जा सकती है।

प्रश्न: आपको कब पता चला कि आपकी रूचि मकैनिकल कोर में है; आपने इसके लिए तैयारी किस प्रकार शुरू की?
उत्तर: मैंने मकैनिकल ब्रांच मिलने के बाद ही प्रथम वर्ष में ही कोर में जाने का मन बना लिया था। हालांकि प्रथम वर्ष में मुझे यह पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं था कि मुझे M.S. करना चाहिए या सीधे काम। फिर मैंने निश्चय किया की अभी मुझे 2 -3 साल जॉब करनी चाहिए, उसके बाद देखना होगा कि M.S. की आवश्यकता होगी या नहीं। द्वितीय वर्ष में मकैनिकल के कोर पाठ्यक्रमों से मेरी cg बढ़ी।

प्रश्न: आप किन क्लब्स या टीम का हिस्सा रहे ? आपको इनसे जुड़ने से क्या लाभ हुआ?
उत्तर: मैं अपने प्रथम वर्ष से ही Inspired Karters FS का हिस्सा रहा। इस टीम में मेरी भूमिका Vehicle Dynamics में रही। टीम में मेरा यह रोल ओला -Electric कंपनी की योग्यता से बखूबी मिलान करता है। अपने तृतीय वर्ष में मैं इस टीम का उप-कप्तान भी रहा। दो साल में टीम से मिली तकनीकी जानकारी और अनुभवों की मदद से मैं अपने प्लेसमेंट के टेक्निकल इंटरव्यू में अपने विचारों को आसानी से सिद्ध कर पाया। टेक्निकल टीम में काम करते हुए हम प्रैक्टिकल तकनीकी प्रोजेक्ट्स पर काम करते हैं।

प्रश्न: बिट्स के पाठ्यक्रमों ने किस प्रकार से आपकी इस सफलता में मदद की?
उत्तर: सबसे पहले मैं आम तौर पर कहूं तो मकैनिकल कोर कंपनियां कुछ विशिष्ट कोर्स की जानकारी की अपेक्षा रखते हैं जैसे- Thermodynamics, Power Plant engineering (DEL), fluid mechanics, Mechanics of solids, Mechanism and machines आदि कुछ कोर्सेज हैं जो हम सभी कंपनियों के लिए सामान्य मान सकते हैं ; अब यह निर्भर करता है की आप किस कंपनी के लिए इंटरव्यू दे रहे हैं । मुझे ओला - Electric से MnM और MechSol जैसे कोर्स की उम्मीद थी क्योंकि इस कंपनी का काम इन्ही कोर्स की जानकारी के इर्द-गिर्द रहता है। इंटर्नशिप इंटरव्यू के दौरान मुझसे JSW ने Thermodynamics, Power Plant engineering आदि कार्य पर सवाल पूछे थे। इन सभी के अतिरिक्त मैंने Vehicle Dynamics ऑनलाइन भी पढ़ा था।

प्रश्न: आपने PS1 , summer intern और PS2 में कहाँ इंटर्नशिप की? इसका आपको क्या फ़ायदा हुआ?
उत्तर: मेरा PS1 ऑनलाइन हुआ था। मैंने CEERI पिलानी में Microheater प्रोजेक्ट पर अध्ययन किया। वर्तमान में मेरा PS2 PayPal Analytics में चल रहा है। यहां मैं एक सॉफ्टवेयर डेवलपर की भूमिका निभा रहा हू। JSW में मुझे अपना इंटर्नशिप मिला था। हमारा PS 1 ऑनलाइन ही हुआ था तो इस कारण से वह इतना फलदायी सिद्ध नहीं हुआ लेकिन कंपनी से जुड़ने पर और खुदसे शोध करके सीखने का मौका मिला।

प्रश्न: मकैनिकल कोर में अपना भविष्य देखने वाले छात्रों को आप क्या सुझाव देना चाहेंगे।
उत्तर: हमारे समय से पहले तक सटीक मकैनिकल कोर की 2 से 3 कंपनियां आती थी। अभी वह संख्या बहुत बढ़ गयी है। उद्योग में विद्युत वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा की तरफ जाना मकैनिकल कोर के लिए बहुत सारे नए अवसर प्रदान कर रहा है। SOP, प्रोजेक्ट या कम से कम टेक्निकल टीम में रहकर प्रोजेक्ट्स पर काम करने के अवसर हमें बहुत से अनुभव देतें हैं। यह सभी प्रोजेक्ट्स हमे इंडस्ट्रियल सॉफ्टवेयर को सीखने का अवसर देते हैं। कैंपस में उपलब्ध आधुनिक तकनीकों का अनुभव करके हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।

प्रश्न: आपका रिज्यूमे आपके प्लेसमेंट की संभावनाओं पर कितना प्रभाव डालता है?
उत्तर: सबसे पहले मैं यह बता दूँ की रिज्यूमे में आप जो भी प्रोजेक्ट्स या अपने कौशल लिख रहे हैं, आपके पास उसकी पर्याप्त जानकारी होनी ही चाहिए। मैंने अपने प्रोजेक्ट्स के अंतिम परिणामों की चिंता किये बगैर उन विषयों पर शोध की क्योंकि अंत में यही मायने रखता है की आपने अपने काम से क्या सीखा और आपके पास उसे समझाने के लिए कितनी जानकारी है। हम अपने रिज्यूमे में लिखी जानकारी से जुड़े सभी संभव प्रश्नो के उत्तर पहले से तैयार कर सकते हैं। अपने प्रोजेक्ट्स के परिणामों और सीख को बिंदुओं में लिखना चाहिए। क्लब्स और डिपार्टमेंट में मिली POR के कार्यकाल में आपने क्या कुछ सीखा और आपकी क्या उपलब्धियां रही -ऐसी जानकारी भी रिज्यूमे को आकर्षक बनाती है। रिज्यूमे में लिखे जाने वाले विषयों का चयन बहुत ही ध्यानपूर्वक करना चाहिए। यह ज़रूरी नहीं है की हमे बहुत सारे विषय या कोर्सेज अपने रिज्यूमे में लिखने हैं, बल्कि ऐसे कोर्सेज जिनकी हमे पूरी जानकारी हो और वह उस कंपनी की आवश्यकताओं से मिलान करती हो।

सिविल (कोर) - ऐश्वर्या जैन

प्रश्न: क्या आप हमें बता सकते हैं की आपको किस कंपनी में नौकरी मिली है? आपकी उधर क्या भूमिका है? और आपका CTC कितना लगा है?
उत्तर: मेरा चयन "केन इंडिया" जो की एक अंग्रेज़ी कंपनी है जिसके भारतीय अंश को "वेदांता ग्रुप" संभालता है में हुआ है। " केन ओइल एंड गैस" के बारमेर - राजस्थान , आंध्र-प्रदेश और गुजरात में तेल के कूए हैं जिनसे वे तेल प्राप्त करते हैं । मेरी भूमिका एक "ग्रेजुएट इंजीनियरिंग ट्रेनी" की है जिसमे मुझे नए उपनगर और पुरने उपनगरों की देख -रेख करनी है एवं बोइलेर्स इत्यादि से जुड़े सिविल इंजीनियरिंग कार्य भी सँभालने है। मेरी CTC 13.3 लाख की है कोर सेक्टर में।

प्रश्न: आप जब अपने महाविद्यालय के चार वर्ष के सफ़र का चिंतन करते हैं तो आपको क्या लगता है आपने ऐसे कौनसे अलग कार्य किये जिस कारण आपको यह सफलता प्राप्त हुई?
उत्तर: ऐसा तो कुछ अलग नहीं किया मैंने , केवल अपने विषयों को ईमानदारी से उनके अंजाम तक पहुँचाया। यदि आप छोटी - छोटी चीज़ें सही करते हैं तो आपके लिए अपनी मनचाही नौकरी प्राप्त करना सरल है।

प्रश्न: अक्सर कहा जाता है की कोर सिविल सेक्टर में बी-टेक करने के बाद अवसर कम होते है और जैसे हम आगे पढ़ते जाते है, जैसे कि एम्-टेक , अवसर खुलते जाते है। आपके इस विषय में क्या खयाल है?
उत्तर: हाँ , यह बात कुछ हद तक सही है क्योंकि प्लेसमेंट के समय भी कोर की कम्पनियाँ I.T और फाइनेंस की तुलना में कम आती है। परंतु अगर आपका दृढ निश्चय है की आपको कोर में ही जाना है तो आपको अवसर मिलेंगे। शुरुआत की कमाई शायद I.T और फाइनेंस से कम हो पर एक अच्छी सी .टी.सी. मिल सकती है यदि आपकी उस क्षेत्र में रुचि हो। इसके अलावा धीरज रखना सबसे महत्वपूर्ण है। केन सबसे पहली कंपनी थी जो प्लेसमेंट देने आयी थी और मेरी खुशकिस्मती है की मेरा इसमें चयन हुआ परंतु कितनी बार आपको अवसर का इन्तज़ार करना पड़ता है जिसके लिए धीरज आवश्यक है।

प्रश्न: आपने कब यह निर्णय लिया की आप प्लेसमेंट के लिए बैठेंगे और आगे की पढ़ाई के मार्ग पर नहीं चलेंगे? या फिर क्या यह एक विकल्प आपके मन में अभी भी है?
उत्तर: हमेशा हमारे पास अधिक विकल्प होते है और हमें उनको कभी हमारे लिए बंद नहीं करना चाहिए। अभी भी मैं आगे पढ़ाई कर सकता हूँ, अपनी नौकरी के एक - दो वर्ष पश्चात। मेरा मानना है की भले आप आगे कोई भी राह चुनो , बिट्स में होते हुए प्लेसमेंट में सभी को बैठना चाहिए। मेरी पहले से रुचि आगे पढ़ने की नहीं थी, इसलिए मैंने गेट और इ. एस . इ जैसी परीक्षाएं भी दी थी और सभी से कहूँगा की आप भी इन दोनों के लिए पढ़े और एक कोशिश अवश्य करें।

प्रश्न: आपके अनुसार ऐसे कौनसे 3 सबसे महत्वपूर्ण गुण है जो कंपनियां देखती है प्लेसमेंट के समय सिविल कोर में?
उत्तर: पहले तो मुझे नहीं लगता है की आपके अंक सबसे महत्वपूर्ण होते है, क्योंकि मेरे अंक इतने खास नहीं थे। आपको सिविल की जानकारी होनी चाहिए क्योंकि वे इस विषय पर परीक्षाएं लेते है। परंतु अगर आपने ईमानदारी से अपनी कॉलेज की पढ़ाई की है तो आपको इन में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। दूसरी महत्वपूर्ण चीज़ है की आपका लक्ष्य अगर सिविल कोर में जाने का है तो आप उससे भटकने नहीं चाहिए। तीसरी बात है आत्मविश्वास जो आपके साक्षात्कार में भी साफ़ दिखाई देता है।

प्रश्न: I.T जैसे क्षेत्रों में काफ़ी एकांत में काम और इन्टेर्शिप्स करने के अवसर मिलते है जो कोर में नहीं मिल पाते क्योंकि इधर हमें वास्तविकता में साईट पर मौजूद होना पढता है। आपको भी ऐसे कई मौके मिले होंगे। परंतु इन सब के बावजूद आपने अपने मन को सिविल के तरफ कैसे केंद्रित रखा?
उत्तर: मेरे मन में पहले से सुनिश्चित था की मुझे फील्ड में काम करना है ना की एक कमरे में कम्पुटर के आगे बैठ के अपनी सेहत के साथ खिलवाड़ करनी है। येही मेरा एकमात्र प्रेरणा स्त्रोत था।

प्रश्न: आपके अनुसार नॉन कोर सेक्टर के तरफ बढते रुझान का क्या करण हो सकता है? क्या अच्छी शुरूआती तनख्वा इस का करण है या फिर धीरज की कमी?
उत्तर: हाँ , अच्छी शुरुवाती तन्खवा इस बदलाव का एक कारण है। परंतु यदि आप अच्छी कोर कंपनी ,जैसे "केन", में प्रवेश करते है तो आपकी वृद्धि काफ़ी तेज़ होती है। खुद के स्टार्ट - अप्स भी एक करण है लोगों का नॉन कोर की तरफ जाने का।

प्रश्न: आज के इस आधुनिक काल में हम देख सकते हैं की प्रौद्योगिकी जैसे A.I और M.L भी कोर सेक्टर में प्रवेश कर रहे है। इस बदलाव में ढलने के लिए आप हमें क्या सुझाव देंगे?
उत्तर: मेरे अनुसार समय के साथ चलना बहुत ज़रुरी है। हर सेक्टर में कंप्यूटर विज्ञान का प्रयोग होता है। यह सिविल में नए सॉफ्टवेयर के आने से दिखाई देता है। इसलिए मैं कहूँगा कि इन सोफ्टवेरों से अपना मुंह मत मोड़िए और साथ ही साथ अपने कोर का ज्ञान भी प्राप्त कीजिए।

प्रश्न: अंत में आप हमें किस सन्देश या फिर किस कॉलेज की सीख एवं अनुभव के साथ छोड़ना चाहेंगे?
उत्तर: कॉलेज में संतुलन बनाना साबसे आवश्यक है ताकि आप पढ़ाई के साथ कॉलेज का लुफ्त भी उठा सकें। हमें खुद को गलत आदतों से दूर रखने की पूरी कोशिश करनी है क्योंकि यह 4 साल हमारे व्यक्तित्व को बनाएंगे जो पूरी ज़िन्दगी हमारे साथ रहेगा। इसलिए हमें अपने सिद्धांतों और लक्ष्य को हमेशा अपने मन में रखना चाहिए।

केमिकल (कोर) - रिधम सक्सेना

प्रश्न: आप अपने व अपने इंटर्नशिप के बारे में बताए।
उत्तर: मैं रिधम सक्सेना हूँ और केमिकल इंजीनियरिंग के तीसरे वर्ष का छात्र हू। मेरी इंटर्नशिप पिडीलाइट इंडस्ट्रीज में कोर केमिकल इंटर्न के तौर पर लगी है। केमिकल इंटर्न मे केमिकल प्रक्रिया से संबंधित चीज़ों को समझना व उसका आवेदन करना था। जब मैं तीसरे वर्ष में आया तब मैं केवल कोर केमिकल इंटेर्नशिप्स में ही बैठ सकता था क्यूंकि हमारे लिए ज़्यादा IT इंटर्न में बैठना अनुमित नहीं था। मेरी CGPA 7 से ऊपर थी तो में कोर में बैठा। तीसरे ही कंपनी में मैं शार्टलिस्ट हुआ व उसके अंतिम साक्षात्कार को भी पार किया।

प्रश्न: क्या आप हमें अपने इंटर्नशिप के नामांकन की प्रक्रिया के बारे में बता सकते हैं? आपने कौन कौनसी कंपनी के लिए प्रयास किया और आपको किस प्रकार चुना गया?
उत्तर: मैं पूरी प्रक्रिया समझाता हूँ। सबसे पहले मैं चुना गया था HUL (हिंदुस्तान युनिलिवर लिमिटेड) के लिए। उसका पहला व दूसरा दौर रिज्यूमे शॉर्टलिस्टिंग और वर्चुअल साक्षात्कार व परीक्षा था जिन दोनों को मैंने पार कर लिया। तीसरा पड़ाव अंतिम साक्षात्कार था। चुकी यह मेरा पहला साक्षात्कार था इस कारण मैंने जवाब देने में थोड़ी गड़बड़ की। इस वजह से मेरा HUL में नहीं हो पाया। HUL द्वारा अस्वीकृति ने मुझे बहुत कुछ सिखाया जिसे मैंने पिडीलाइट में लागू किया व सफलता हासिल की। पिडीलाइट में रिज्यूमे शॉर्टलिस्टिंग के बाद पहली परीक्षा हुई जिसमें केमिकल इंजीनियरिंग व रुझान संबंधित सवाल आए, दूसरी परीक्षा में गणित व रुझान के सवाल आए व तीसरे परीक्षा में अंग्रेजी व कुछ आसान सवाल आए। इसके उपरांत दो साक्षात्कार दौर हुए जिसमें से पहला टेक्निकल व HR दौर था व दूसरा डायरेक्टर राउंड था जो पूरी तरह से टेक्निकल था। इस तरह मैंने तीन दिन के अंतर्गत 3-4 परीक्षा व साक्षात्कार दिए जिसके बाद मेरी पिडीलाइट में शॉर्टलिस्टिंग हुई।

प्रश्न: आपके रिज्यूमे को आपने किस प्रकार दूसरों से अलग व आकर्षक बनाया?
उत्तर: पहले मुझे यह लगता था कि जितना बड़ा रिज्यूमे होगा उतना अच्छा हैं मगर आप जितना छोटा रिज्यूमे बनाओगे उतना बेहतर होगा। रिज्यूमे में भी कंपनी में काम आने वाले ही कोर्स लिखे, यदि आप ऐसे कई कोर्स के नाम लिखेंगे तो आपको उस पर सवाल किए जा सकते हैं जिसका जवाब आप न दे पाए। मेरे PS -1 के परियोजनाए भी काफी अच्छी थी जिसकी वजह से में पिडीलाइट के साक्षात्कार को अच्छे से कर पाया। मेरे अन्य POR जैसे CoStAAn , एक दल का क्रिएटिव टीम लीड व एक संगठन का प्रोजेक्ट हेड ने भी इंटर्नशिप पाने में मेरी काफी मदद की। इन सबको बिंदुवार रिज्यूमे में लिखना बहुत महत्वपूर्ण होता है। आपके PORs कंपनी में कैसे काम आएँगी यह लिखना भी ज़रूरी होता है। कोई भी कंपनी यह देखती है की उम्मीदवार उनकी कंपनी के लिए क्या महत्त्व रखता हैं और न की उसने कितना सीखा इसलिए विशिष्ट कंपनी को ध्यान में रखते हुए रिज्यूमे बनाना पड़ता हैं।

प्रश्न: आपकी राय में केमिकल कोर क्षेत्र में इंटर्नशिप प्राप्त करने के लिए CGPA की क्या अहमियत होती है?
उत्तर: जब मेरी इंटर्न लगी तब मेरी CGPA 7.7 के आस-पास थी। सबको यह लगता है की कोर में इंटर्न के लिए बहुत ज्यादा CGPA चाहिए और शुरुआत में जो कम्पनीज आई थी उन्होंने अपनी सीमाएं 7.5 - 8 रखी थी। HUL , पिडीलाइट जैसी कम्पनीज ने अपनी सीमा ७ पार राखी थी जो काफ़ी अच्छा था। मेरा मानना यह है कि अगर आपकी CGPA 7 के ऊपर है , रिज्यूमे अच्छा है और पर्याप्त ज्ञान है तो आपका इंटर्न लगना पक्का है। खासकर केमिकल कोर में ऐसे नहीं होता कि आपकी CGPA 7 हो और कम ज्ञान वाले की 8.5 हो तो उसको ले लिया जाएगा। ऐसा मेरे साथ भी हुआ था क्योंकि मेरी CGPA मेरे सहपाठियों से कम थी लेकिन शायद ज्ञान ज्यादा था जिसकी वजह से मुझे लिया गया।
प्रश्न: आपको कब पता चला कि आपकी रूचि केमिकल कोर क्षेत्र में है और आपने इसके लिए तैयारी कैसे की?
उत्तर: पहले मुझे लगता था कि मैं वित्त भी कर सकता हूँ, IT भी कर सकता हु इत्यादि पर PS -1, जो की मैंने कोर केमिकल में किया जिसके बाद मुझे ज्ञात हुआ कि मुझे केमिकल इंजीनियरिंग भी अच्छी लगती है। मैंने 'मटेरियल साइंस' ,'फ्लूइड मैकेनिक्स' और 'हीट ट्रांसफर'जैसे विषय में ख़ास तैयारी की क्योंकि इसमें मुझे भी बहुत रूचि थी। इन विषयों पर अक्सर सवाल किए जाते हैं और इसका ज्ञान हर एक केमिकल इंजिनियर को होनी चाहिए। मैंने अपने PS -1 के प्रोजेक्ट के बारे में समझने की तैयारी कर ली। आपको अपने अनुभव से सीखना चाहिए। मैं भी HUL के इंटरव्यू से बहुत कुछ सीखा जो मुझे पिडीलाइट के इंटरव्यू में काम आया।

प्रश्न:आप अपने जूनियर्स को क्या टिप्पणियां देना चाहेंगे?
उत्तर: मैं सिर्फ यह कहना चाहूंगा की कभी भी किसी चीज़ को कम मत समझो और अपनी रूचि पहचानने की कोशिश करो। सिर्फ यह सोचके वित्त और IT मत जाना कि केमिकल इंजीनियरिंग में अवसर कम है बल्कि किसी भी कोर में उनके लिए बहुत अवसर है जो कोर में रूचि रखते हो। लोगों के मन में यह गलत बात बैठ गई हैं कि केमिकल कोर में ज़्यादा अवसर व पैसे नहीं हैं किन्तु बहुत सारी अच्छी कम्पनीज यहाँ पार आती है जैसे एक्सॉन मोबिल, JSW ,HUL ,पिडीलाइट इत्यादि। अगर आप केमिकल इंजीनियरिंग कर रहे है तो कम से कम एक बार आपको यह सोचना चाहिए कि क्या आपको उसमें रूचि आ रही हैं। मैं भी सोचता था कि वित्त या IT करलूंगा लिन्तु केमिकल में PS -1 करने के बाद मुझे लगा की इसमें भी आगे बहुत कुछ किया जा सकता है। मैं सबको शुभकामनाएं देता हु और आनेवाले PS -1 , इंटेर्नशिप्स या प्लेसमेंट के लिए बाकी लोग यदि कहते है कि केमिकल अच्छा नहीं होता तो यह मत सुनना, यदि तुम्हें अच्छा लगता है तो वही मायने रखता है।

SCM - श्रेया गुप्ता

यूनीलीवर एक ब्रिटिश अंतराष्ट्रीय कंपनी है जिसके पास 400 से अधिक ब्रांड हैं। यूनीलीवर ने बिट्स पिलानी की छात्रा श्रेया गुप्ता को सप्लाई चेन मैनेजमेंट क्षेत्र के लिए जॉब ऑफर की। हिंदी प्रेस क्लब को श्रेया गुप्ता से बात करने का मौका मिला जिसमे उन्होंने अपने कॉलेज और प्लेसमेंट के अनुभवों को साझा किया।

प्रश्न: रिक्रूटमेंट की प्रक्रिया के लिए कौन कौन से राउंड का आयोजन किया गया था और आपने इसकी तैयारी कैसे की?
उत्तर: रिक्रूटमेंट प्रक्रिया तीन राउंड में हुई। सबसे पहला राउंड गूगल फॉर्म का था जिसमे स्टूडेंट को अपने बारे में जानकारी प्रदान करनी थी। इसमें सवाल आपके रूचि और इंटर्नशिप के अनुभवों पर आधारित थे। इस राउंड की तैयारी के लिए मैंने अपने सीनिअर की मदद ली क्यूंकि इसमें सवाल ज़्यादातर पिछले साल के प्लेसमेंट में पूछे गए सवालों जैसे होते हैं। दूसरा राउंड विडियो साक्षात्कार पर था जो केस स्ट्डी पर आधारित था। हर विद्यार्थी को एक विडियो केस स्ट्डी के लिए एक विडियो प्रदान की गयी थी। स्टुडेंट्स को दो दिनों के भीतर उस पर पूछे गए सवालों का जवाब देना था। यह राउंड HUL (हिंदुस्तान युनिलिवर लिमिटेड) के दैनिक परेशानियों से संबंधित था। इसकी तैयारी के लिए मैंने यूट्यूब से सप्लाई चेन के बारे में जानकारी प्राप्त की। तीसरे राउंड में व्यक्तिगत साक्षात्कार देना था। इस राउंड के अंतर्गत हर स्टूडेंट के लिए एक निश्चित समय और दिन निर्धारित किया गया था। इसमें मुझ से कोर और प्रबंधकीय ज़िम्मेदारी से सावल पूछे गए थे। इसके अलावा सवाल मेरे क्लब और डिपार्टमेंट में किए गए कार्यों पर थे। कोर के सवाल अधिकतर सप्लाई चेन और फ्लुइड मेकानिक्स के बारे मे थे। मेरे इंटर्नशिप में मेकनिकल कोर का विकल्प नहीं था इसलिए इस राउंड की तैयारी के लिए मैने केमिकल स्टुडेंट्स की सहायता ली।

प्रश्न: यूनीलीवर में प्लेसमेंट पा कर आपको कैसा लग रहा है और एस.सी.एम् में आपकी ज़िम्मेदारी क्या होगी?
उत्तर: मैं अपने आप को काफी भाग्यशाली समझती हूँ क्यूंकि प्लेसमेंट में कुछ ही स्टुडेंट्स का इस पद के लिए चयन हुआ है। प्लेसमेंट की प्रक्रिया अपने आप में बहुत कठिन थी। मुझे अभी रोटेशनल प्रोग्राम में रखा गया है। यह 18 महीने का परिक्षण अवधि है। इसमें हमें मैनेजमेंट स्किल्स, सप्लाई चेन, r&d और पैकेजिंग की कला सिखाई जाएगी। इसके बाद हमें प्रोजेक्ट दिए जाएँगे जिसके आधार पर हमें किसी क्षेत्र और सेक्टर में प्रबंधकीय ज़िम्मेदारी दी जाएगी। इसके अलावा एक साक्षात्कार भी होगा जिसमे हमारे 18 महीने के अनुभव और समझ को मापा जाएगा।

प्रश्न: सप्लाई चेन मैनेजमेंट की ऐसी कौन सी विशेषताएँ हैं जिन्होंने आपको प्लेसमेंट के दौरान आवेदन करने के लिए आकर्षित किया?
उतर: सप्लाई चेन मैनेजमेंट की भूमिका काफी महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण होती है क्यूंकि आप उन लोगो से मिलते हों जो प्रोडक्ट को मार्केट के लिए तैयार कर रहे हैं। प्रोडक्ट का मैनेजर होना एक महत्वपूर्ण दायित्व है। यह काम सिर्फ कंप्यूटर पर या चैम्बर में बैठकर नही हो सकता है। किसी भी प्रोडक्ट की मैनेजमेंट के लिए आपको उत्पादन के हर पहलु को जानना आवश्यक होता है। अगर आप किसी प्रोडक्ट के उत्पादन के लिए नए विकल्प को लागू करते है तो आपको पता होना चाहिए कि वह कितना उपुक्त है। व्यक्तिगत रूप से मुझे यह प्रबंधकीय ज़िम्मेदारी काफी पसंद है। यह मेरे लिए कई नए अवसरों को प्रदान करेगी। आगे चल कर मैं किसी प्रोडक्ट की मैनेजमेंट करुँगी जो कंपनी के कारोबार में एक अहम हिस्सा होगा।

प्रश्न: आपकी राय में प्लेसमेंट(SCM) के लिए किन स्किल्स की ज़रूरत थी? क्या CGPA की नियुक्ति प्रक्रिया में कोई भूमिका थी?
उत्तर: अपने कोर विषयों में ध्यान दे और इसे निपुण करने का प्रयास करे। सप्लाई चेन मैनेजमेंट का कोर्स स्किल डेवलपमेंट के लिए काफी सटीक है। इसके अलावा सस्टेनेबल मैनुफैक्चरिंग और लीन मैनुफैक्चरिंग के कोर्स भी काफी मदद करते हैं। मैं कई सारे क्लब और डिपार्टमेंट का हिस्सा थी और कई सारी ज़िम्मेदारियों को संभाला है। इस कारण मुझे प्रबंधक की ज़िम्मेदारी के लिए उपुक्त समझा गया। मेरे मुताबिक CGPA से आपकी प्लेसमेंट पूरी तरह निर्णायक नहीं है। हाँ,अच्छी CGPA प्लेसमेंट में सकारात्मक प्रभाव डालती है पर प्लेसमेंट आपके कौशल पर ज़्यादा निर्भर करता है। यूनीलीवर के व्यक्तिगत साक्षात्कार में अधिकतर छात्रों की CGPA 8 से अधिक थी।

प्रश्न: आपने सप्लाई चेन मैनेजमेंट के क्षेत्र में जाने का कब मन बनाया? आपके अनुसार किसी भी बिट्सियन को किस वर्ष में अपने क्षेत्र के बारे में निर्णय लेना चाहिए?
उत्तर: मेरे अनुसार आपको दूसरे वर्ष के अंत तक पता होना चाहिए कि आपकी ब्रांच आपके लिए सटीक है या नहीं। मैंने सप्लाई चेन मैनेजमेंट में जाने का फैसला NIVEA में PS1 करने के बाद लिया। मुझे प्रॉब्लम के हल निकालना काफी पसंद आया। प्लेसमेंट प्रक्रिया काफी अनियमित होती है। इस लिए स्टुडेंट्स को कोर और आईटी दोनो के लिए तैयार रहना चाहिए।

प्रश्न: प्लेसमेंट यूनिट ने पूरी प्लेसमेंट प्रक्रिया में आपकी किस तरीके से मदद की?
उत्तर:मैं स्वयं प्लेसमेंट यूनिट की सदस्य थी। मेरे व्यक्तिगत साक्षात्कार के आखरी 15 मिनट प्लेसमेंट यूनिट में मेरे योगदान पर सवाल थे। इसके कारण मेरा साक्षात्कार काफी दिलचस्प था। इसके अलावा प्लेसमेंट यूनिट ने कई सारे इंटरैक्शन सेनियर के साथ करवाए जिससे तैयारी में काफी मदद मिली।

प्रश्न: क्लब, PS-I और PS-II से लेकर बिट्स में रहने का आपका अनुभव कैसा था?
उत्तर: NIVEA में मुझे PS-1 करने का मौका मिला। इसके अलावा JSW से मैंने इंटर्नशिप की। PS-I के दौरान मैंने प्रोजेक्ट्स भी किए। प्लेसमेंट में मुझ से कई सवाल मेरे इंटर्नशिप के अनुभव पर थे। क्लब और डिपार्टमेंट ने मुझे टाइम मैनेजमेंट और टीम वर्क के स्किल्स को मजबूत करने में मदद की।

प्रश्न: कोई भी संदेश जो आप देना चाहेंगे जो आगामी प्लेसमेंट सीजन की तैयारी कर रहे हैं?
उत्तर: सप्लाई चेन मैनेजमेंट में प्लेसमेंट हेतु अपने कोर विषयों के कॉन्सेप्ट्स को मजबूत बनाना ज़रूरी है। ज़्यादा से ज़्यादा क्लब या डिपार्टमेंट में काम करे परुन्तु उस से आपकी शैक्षिक गतिविधियों पर असर नहीं पड़ना चाहिए। इसके अलावा पूरे प्लेसमेंट प्रक्रिया को धैर्य से पूरा करे। आपकी घबराहट साक्षात्कारकर्ता पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। पूरी प्लेसमेंट प्रक्रिया काफी कठिन होती है इसलिए हमेशा अपने आप को एकाग्रचित्त रखे।

MS - कनिष्क चौधरी

स्टानफोर्ड में एम.एस के लिए जा रहे कनिष्क चौधरी से हिंदी प्रेस क्लब ने बात-चीत की और एम.एस की पूरी प्रक्रिया और उससे जुडी दिक्कतों के बारे में वार्तालाप किया। उस बात-चीत के मुख्य-अंश कुछ इस प्रकार हैं।

प्रश्न: आपने कब तय किया कि आप प्लेसमेंट में नहीं बैठेंगे और आगे एम.एस. के लिए जाएंगें?
उत्तर: मुझे नहीं पता था कि मैं प्लेसमेंट में बैठूँगा या एम.एस. के लिए जाऊंगा या एक-दो साल नौकरी करने के बाद एम.एस के लिए जाऊंगा, पर हाँ यह तय था कि कभी तोह एम.एस. के लिए जाऊंगा। यह ही कारण था कि मैंने प्रथम वर्ष में सोच लिया था कि मैं अपनी प्रोफाइल एम.एस के अनुसार बनाऊंगा और अगर नहीं बनी, तो फिर प्लेसमेंट में बैठूँगा।

प्रश्न: यदि कोई छात्र दोनों एम.एस. और प्लेसमेंट में जाना चाहता हो, तो उसको क्या करना चाहिए?
उत्तर: इसमें दो बातें होती है, यदि प्लेसमेंट उसी क्षेत्र में चाहिए जिस क्षेत्र में एम.एस. करना है, तो काफ़ी चीज़ें आसान हो जाती है, प्रोफाइल बनाने में भी ज़्यादा दिक्कत नहीं आती। परन्तु अगर दोनों के क्षेत्र अलग हो तो, काफ़ी दिक्कतें आ सकती है।

प्रश्न: एम.एस करने की पूरी प्रक्रिया कैसी होती है?
उत्तर: यह प्रक्रिया थोड़ी बहुत पी.एच.डी. से मेल खाती है। इसमें जब एस.ओ.पी. लिखते है तो उसमें बताना होता है कि मुझे इस अध्यापक के इस अनुसंधान में रूचि है और अगर मैं एम.एस करता हूँ तो मैं इनके नीचे इस-इस तरीके से काम करना चाहूँगा।

प्रश्न: आपने कैसे तय किया कि आपको एम.एस के लिए स्टानफोर्ड ही जाना है?
उत्तर: मुझे प्रोडक्ट डिजाईन में काफ़ी रूचि है और मैं चाहता था की मेरे एम.एस. का विषय भी प्रोडक्ट डिजाईन ही हो। इसलिए मैंने कुछ टॉप के संस्थानों के बारे में पता किया और देखा कि प्रोडक्ट डिजाईन में अनुसंधान सबसे ज़्यादा कहाँ हुई है और यह सब करने के बाद मैंने स्टानफोर्ड में जाने का निश्चय लिया।

प्रश्न: यदि किसी व्यक्ति की सी.जी. काफ़ी कम है तो उसको एम.एस करने के लिए क्या करना चाहिए?
उत्तर: उस व्यक्ति को काफ़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, पर इसको दूर करने के भी कुछ तरीके हैं। जैसे तुम्हारे पुब्लिकेशन या तुम्हारा अनुसंधान अनुभव और साथ ही यह भी काफ़ी महत्त्व रखता है कि तुम्हारी अनुशंसा कौनसा अध्यापक कर रहा है। अगर कोई ऐसा व्यक्ति तुम्हारी अनुशंसा कर रहा है जिसने अपने क्षेत्र मैं काफ़ी उपलब्धि हासिल कर रखी तो उससे किसी भी व्यक्ति को काफ़ी फायदा होगा।

प्रश्न: जो लोग अभी भी दुविधा में हैं कि क्या एम.एस की तैयारी करें या प्लेसमेंट की , उन लोगों के लिए आप क्या सलाह देना चाहेंगे?
उत्तर: इस विषय में कोई सार्वजनिक सलाह काम नहीं करती। हर व्यक्ति के लिए उसकी रूचि और काम करने का तरीका अलग होगा। तो पहले प्रथम वर्ष के छात्रों के बारे में बात करते है। अभी उनका काम है सिर्फ़ अलग-अलग क्षेत्रों के बारे में जानकारी इकठ्ठा करना और सिर्फ़ वो क्षेत्र नहीं जिसमे उन्हें लगता है कि उन्हें रूचि होगी बल्कि हर क्षेत्र के बारे में उन्हें जानना चाहिए। उसके बाद उन्हें अपनी असली रूचि को पहचानने पर काम करना चाहिए। इस प्रक्रिया में वे अपने सिनिअर्स की सहायता ले सकते हैं, या जो लोग उस क्षत्र में पहले से काम क्र रहे हैं, उनसे सलाह-मशव्हरा कर सकते है। द्वितीय वर्ष में अगर आपने तय कर लिया कि आपको कोर में ही जाना है, तो ब उसमे भी कौनसे विषय में सबसे ज़्यादा दिलचस्पी है वो पता करें। अपने पाठ्यक्रम को अच्छे से पढ़ें और उससे अपनी दिलचस्पी को पहचानने की कोशिश करें। तीसरे वर्ष में आने से पहले आपको अपनी रूचि के बारे में अच्छे से पता होनी चाहिए। उसके बाद आपको अपने प्रोजेक्ट पे काम करना चाहिए और साथ में अपनी प्रोफाइल को मज़बूत बनाने के लिए रिसर्च इंटर्न करने पे ध्यान देना चाहिए।

प्रश्न: कोई सलाह जो आप बिट्सियनस को देना चाहेंगे?
उत्तर: काफ़ी लगों को लगता है कि एम्.एस के लिए यु.एस.ए. सबसे अच्छा है, परन्तु ऐसा नहीं हैं। यूरोप में भी काफ़ी ऐसे संस्थान हैं जो पढाई के मामले में यु.एस.ए के संस्थानों से काफ़ी बेहतर है और फीस भी न के बराबर हैं। इसलिए अपने एम.एस के संस्थान को ढूँढने से पहले इन पहलूओं पर भी सबको गौर करना चाहिए।

हिंदी प्रेस क्लब

माणिक्य, क्रती, वत्सल, प्रत्युष, मनाल, मोहनीश, मानस, आकाश, आदित्य, अनुज

परीश्री ,आर्यन, अदिति , भूषण, हार्दिक, संस्कार, लाम्बा , हर्ष, वासु, रेहान, शाल्मली , हेमांग

देव, ऋत्विक, आकाश, सर्वेश, आरुषी, आर्यमन, सूरज, जैनम, आर्ची, निशिका, भव्य, आदित्य, हिमांशी

चेतन, मौलि, अमृत, वैभव, सर्वाक्ष, वैष्णवी, वैभवराज, मल्लिका,